@Kamal.Sandesh KamalSandeshLive kamalsandesh.org kamal.sandesh @KamalSandesh

कमल संदेश

भाजपा गठबंधन तमिलनाडु, बंगाल, असम और पुडुचेरी में जीत हासिल करेगा, केरल में हम एक मजबूत ताकत बनकर उभरेंगे

वर्ष-16, अंक-08 16-30 अप्रैल, 2021 (पाक्षिक) ₹20

'भाजपा लोगों के प्यार को विकास के रूप में सूद समेत लौटाएगी'

नई दिल्ली में भाजपा के 41वें स्थापना दिवस पर पं. दीनदयाल उपाध्याय व डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी की प्रतिमा को पुष्प अर्पित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

कराईकुडी (तमिलनाडु) में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

शिबपुर में पश्चिम बंगाल प्रदेश भाजपा संगठनात्मक बैठक को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

सिंगूर (पश्चिम बंगाल) में एक रोड शो में भाग लेते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

नक्सली हमले में हुए शहीदों को जगदलपुर (छत्तीसगढ़) में नमन करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में आधारभूत संरचना परियोजनाओं का उद्घाटन करते केंद्रीय मंत्री सर्वश्री राजनाथ सिंह एवं नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 टीएमसी का खेला शेष होवे, बंगाल का विकास आरंभ होवे : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 6 अप्रैल, 2021 को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार और हावड़ा में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और कहा कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आ रही है...

08 भाजपा भ्रष्टाचारमुक्त, तानाशाहीमुक्त और तोलाबाजीमुक्त बंगाल के निर्माण के लिए कृतसंकल्पित है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष...

11 एनडीए सरकार भेदभाव से नहीं, सद्भाव से क्षेत्र का विकास करती है : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 अप्रैल 2021 को असम के तामुलपुर में...

20 'भाजपा सरकार का मतलब है– राष्ट्र निर्माण के लिए सही नीति, साफ नीयत और सटीक निर्णय'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के 41वें स्थापना दिवस पर...

30 भारत-बांग्लादेश के बीच हुए पांच अहम समझौते

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26-27 मार्च, 2021 के दौरान बांग्लादेश की दो...

वैचारिकी

राष्ट्रवाद को कोई वाद मिटा नहीं सका 26

बाबासाहेब डॉ. अम्बेडकरजी की 130वीं जयंती पर विशेष

सामाजिक न्याय की स्थायी विरासत 28

मन की बात

कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण समय की जरूरत है: नरेन्द्र मोदी 33

अन्य

प्रदेश के कोने-कोने से भाजपा को मिल रहा है जनसमर्थन : अमित शाह 10

असम के सतत विकास के लिए पुनः भाजपा सरकार बनाएं : जगत प्रकाश नड्डा 13

अब राज्य में शांति के साथ विकास ही विकास है : अमित शाह 15

राष्ट्र स्पष्ट रूप से भाई-भतीजावाद की राजनीति के खिलाफ है : नरेन्द्र मोदी 17

मार्च, 2021 में 1,23,902 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड सकल जीएसटी राजस्व की हुई वसूली 23

'जल जीवन मिशन' के तहत अब तक चार करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में पाइप से पीने का पानी पहुंचा 24

वित्त वर्ष 2020-21 में प्रतिदिन 37 किलोमीटर राजमार्गों के निर्माण का बना नया कीर्तिमान 25

जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा, विजय हमारी होगी : अमित शाह 29

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

केंद्र की बीजेपी सरकार, बंगाल की बीजेपी सरकार, डबल इंजन की शक्ति के साथ राज्य के विकास के लिए डबल मेहनत करेगी। बंगाल का भला चाहने वाले हर किसी को हम साथ लेंगे, सबका मार्गदर्शन लेंगे।

जगत प्रकाश नड्डा

हम असम की संस्कृति की रक्षा करने वाले लोग हैं। श्रद्धेय अटलजी की सरकार से लेकर आदरणीय मोदीजी की सरकार तक भाजपा ने असम की संस्कृति को संवारने का काम किया है और केवल भाजपा सरकार ही इसे आगे बढ़ाने का काम कर सकती है।

अमित शाह

दीदी बहुत बड़ी नेत्री हैं, उन्होंने बंगाल में 10 साल शासन किया है, इसलिए उनकी कोई छोटी-मोटी विदाई नहीं होनी चाहिए, बल्कि धूमधाम से उनकी विदाई होनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी की झोली में 200 सीटें डालकर आप ममता दीदी की भव्य विदाई सुनिश्चित करें।

राजनाथ सिंह

भाजपा के स्थापना दिवस की देश भर में सभी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों को हार्दिक शुभकामनाएं। भाजपा समाज के सभी वर्गों को विश्वास में लेकर, राष्ट्र निर्माण के लिए काम कर रही है। हमें गर्व है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज एक मज़बूत एवं स्वाभिमानी देश के रूप में स्थापित हुआ है।

बी. एल. संतोष

पश्चिम बंगाल में प्रशासन का राजनीतिकरण और राजनीति का अपराधीकरण 10 वर्षों के ममता शासन के दो बड़े परिणाम हैं। यहां चुनाव के तीन चरणों में, चुनाव हो रहे चार अन्य राज्यों को मिलाकर भी 100 गुना अधिक हिंसा देखी गई।

थावरचंद गेहलोत

बंगाल में टीएमसी के भ्रष्टाचार, भय और आतंक के अंत का समय आ गया है। जनता ने भाजपा को चुनने का मन बना लिया है और प्रदेश के कोने-कोने से भाजपा को मिल रहा जनसमर्थन इसका प्रमाण है।

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
श्रीराम नवमी (21 अप्रैल)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

भाजपा 'आत्मनिर्भर भारत' की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है

अपने गौरवशाली यात्रा के 41 वर्ष पूर्ण होने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी का मां भारती की सेवा का संकल्प और भी अधिक सुदृढ़ हुआ है। भाजपा पर जन-जन के बढ़ते विश्वास का ही परिणाम है कि आज यह विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। 'एकात्ममानव दर्शन' एवं 'पंचनिष्ठाओं' के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने भाजपा को एक विशिष्ट राजनीतिक दल बना दिया है। 'राष्ट्र प्रथम' के सूत्र वाक्य से प्रेरणा लेते हुए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का मंत्र भाजपा का पथ-प्रदर्शक सिद्धांत बन चुका है। भाजपा न केवल सुशासन व विकास का प्रतीक बनकर उभरी है, बल्कि एक ऐसे राजनीतिक दल के रूप में स्थापित हुई है जो लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्ध है। जहां एक ओर आपातकाल के दौरान भाजपा ने लोकतंत्र बचाने के लिए संघर्ष किया, वहीं दूसरी ओर यह देश का एकमात्र राजनीतिक दल है जिसमें आंतरिक लोकतंत्र का जीवंत साक्षात्कार किया जा सकता है। आज जबकि अन्य सभी राजनीतिक दल वंशवादी-जातिवादी-क्षेत्रवादी एवं सत्ता केंद्रित संकीर्ण राजनीति की चपेट में हैं, भाजपा 'आत्मनिर्भर भारत' की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर रही है।

पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में भाजपा लोगों की आशा की किरण बनकर उभरी है। जहां असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में मतदान समाप्त हो चुका है, वहीं पश्चिम बंगाल में अप्रैल के अंत तक मतदान की प्रक्रिया संपन्न हो जाएगी। यह हर्ष का विषय है कि लोग बड़ी संख्या में इन चुनावों में भागीदारी कर रहे हैं। इन चुनावों में 65 प्रतिशत से लेकर 80 प्रतिशत के ऊपर तक के मतदान के समाचार प्राप्त हुए हैं जो कि भारतीय लोकतंत्र की एक बड़ी जीत है। साथ ही, पश्चिम बंगाल में भी अब तक सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न होना एक ऐसी उपलब्धि है, जिससे भारतीय लोकतंत्र पर गर्व किया जा सकता है। पश्चिम बंगाल में बाकी के चरणों में होने वाले चुनावों के लिए चुनाव आयोग को पूरी तरह से चौकन्ना रहना पड़ेगा।

आज जबकि अन्य सभी राजनैतिक दल वंशवादी-जातिवादी-क्षेत्रवादी एवं सत्ता केंद्रित संकीर्ण राजनीति की चपेट में हैं, भाजपा 'आत्मनिर्भर भारत' की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर रही है।

इन चुनावों में अब तक जनता का भारी उत्साह भाजपा की रैलियों और जनसभाओं में देखा गया है। राजग सरकार की कड़ी मेहनत, अभिनव योजनाएं एवं भविष्योन्मुखी नीतियों से असम में शांति, विकास एवं प्रगति के नए द्वार खुल गए हैं। इस बार भी जनता ने पुनः भाजपा-राजग को सरकार बनाने के लिए अपना भरपूर आशीर्वाद दिया है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी एवं तृणमूल कांग्रेस के कुशासन, भ्रष्टाचार, कट-मनी, तोलाबाजी, वंशवादी राजनीति एवं विकास विरोधी नीतियों के विरुद्ध लोगों का भारी गुस्सा जमीन पर स्पष्ट देखा जा रहा है। लोग भाजपा में प्रदेश का स्वर्णिम भविष्य देख रहे हैं और अब तक हुए मतदान से ऐसा प्रतीत होता है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनना अब निश्चित हो चुका है। तमिलनाडु में केंद्र सरकार के विशेष प्रयासों एवं योजनाओं से लोग प्रसन्न हैं और प्रदेश सरकार भी अपने वादों को पूरा करने में सफल रही है, परिणाम यह है कि प्रदेश में राजग सरकार का बनना तय लगता है। पुडुचेरी में पूर्व की कांग्रेस सरकार के विरुद्ध लोगों के मन में भारी गुस्सा है और उन्होंने भाजपा के पक्ष में भारी मतदान किया है। केरल में भाजपा एक बड़ी शक्ति के रूप में उभर रही है।

भाजपा स्थापना दिवस पर देश भर के पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि भाजपा पारदर्शिता एवं सुशासन का प्रतिनिधित्व करती है, 'राष्ट्र प्रथम' के विचार पर चलते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि मानती है और राष्ट्रहित से कभी समझौता नहीं करती। भाजपा साफ नीयत, स्पष्ट नीति से जनहितकारी निर्णय लेने के लिए जानी जाती है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने संबोधन में कोविड-19 वैश्विक महामारी में व्यापक जनसेवा के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं की भूरी-भूरी प्रशंसा की है। अपने करोड़ों प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम एवं निरंतर कार्य के कारण आज भाजपा एक ऐसी अनूठी राजनीतिक पार्टी के रूप में उभरी है, जो राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लक्ष्यों के प्रति समर्पित हो राष्ट्र का गौरव बढ़ा रही है। अब जबकि करोड़ों भाजपा कार्यकर्ता मां भारती की सेवा में समर्पित हैं, एक गौरवशाली राष्ट्र पूरे विश्व में मानवता की सेवा को तत्पर हो रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

इन दिनों पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु एवं पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव संपन्न हो रहे हैं। अभी तक पश्चिम बंगाल में 27 मार्च और 1, 6 एवं 10 अप्रैल को चार चरणों के चुनाव संपन्न हुए हैं, वहीं अगले चार चरणों के चुनाव 17, 22, 26 एवं 29 अप्रैल को होने हैं। असम में 27 मार्च, 1 और 6 अप्रैल को चुनाव हो चुके हैं, जबकि केरल, तमिलनाडु एवं पुडुचेरी में 6 अप्रैल को चुनाव हुए। मतगणना एक ही दिन दो मई को होगी।

टीएमसी का खेला शेष ह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 6 अप्रैल, 2021 को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार और हावड़ा में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और कहा कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आ रही है, ममता दीदी की विदाई तय है।

श्री मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल का यह विधानसभा चुनाव महत्वपूर्ण है। 10 साल तक दीदी ने यहां जिस तरह विश्वासघात किया, उसका जवाब इस बार उन्हें बराबर बंगाल की जनता दे रही है। दीदी की तोलाबाज़, सिंडिकेट, अन्याय, अत्याचारी और हत्याचारी सरकार से हर कोई परेशान है। बंगाल और नंदीग्राम ही नहीं, बल्कि दीदी से तो अब नंदी भी अपनी नाराजगी खुलकर जताने लगे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि शिक्षकों की भर्ती हो या फिर लोगों के काम, दीदी ने सिर्फ तुष्टिकरण किया। बंगाल के सामान्य लोगों को, बंगाल के नौजवानों, यहां के किसानों को आपने अपने हाल पर छोड़ दिया।

- 10 साल तक आपके तोलाबाज बंगाल लूटते रहे, आदरणीय दीदी आप देखती रहीं।
- 10 साल यहां जब भी रक्त बहा, मां-बहनों के आंसू बहे, दीदी देखती रहीं।
- 10 साल दलित, वंचित, पिछड़ों, आदिवासियों, टी गार्डन मज़दूरों के साथ धोखा हुआ, दीदी देखती रहीं।
- 10 साल कृषक सिंचाई और भंडारण की सुविधाओं से वंचित रहे, 'फोडेराज' से परेशान रहा, दीदी देखती रहीं।
- टीएमसी के कार्यकर्ता, नेता, मंत्री खेला करते रहे, दीदी देखती रहीं।
- 10 साल तस्करी और घुसपैठ होती रही, दीदी देखती रहीं।
- 10 साल अवैध खनन, तस्करी, ड्रग्स का सिंडिकेट फला-फूला, दीदी देखती रहीं।

पश्चिम बंगाल में अशोल पोरिबोर्तन की जरूरत है जो केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है। दो मई को पश्चिम बंगाल से दीदी की विदाई तय है।

उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में जो टेप आया है, उसमें हुई बातचीत, दीदी के 10 साल का पूरा रिपोर्ट कार्ड दे रही है। दीदी, आपने बंगाल में एक नया टैक्स शुरू कर दिया– भाइपो सर्विस टैक्स। गरीब मां-बहन ने, मेहनत का एक-एक टका जोड़ा, वो भाइपो सर्विस टैक्स में चला गया। बंगाल का युवा एक-एक टका के लिए तरस रहा है और वहां 35-40 करोड़ रुपये एक महीने में आ रहे हैं! इसी वजह से आज बंगाल के कोने-कोने से आवाज आ रही है– 'चलो पलटाई, पलटाई'। तृणमूल के सिंडिकेट का आंखों देखा हाल बताने वाला एक टेप पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। न्यू टाउन से कैसे कंस्ट्रक्शन का सिंडिकेट विकसित हुआ, कैसे हावड़ा सहित पश्चिम बंगाल के अनेक शहरों को भाइपो सर्विस टैक्स ने बेहाल कर दिया, ये पूरे देश ने सुना है।

तारकेश्वर और सोनारपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 03 अप्रैल, 2021 को तारकेश्वर और सोनारपुर में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और पश्चिम बंगाल की जनता से पहले दो चरणों की भांति ही तीसरे चरण में भी पूरे उत्साह से भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सोनार बांग्ला का है विश्वास! डबल इंजन से डबल विकास।

श्री मोदी ने कहा कि तृणमूल सरकार तो अपने आप में पश्चिम बंगाल के लिए आपदा सिद्ध हुई है। मानवता कहती है कि जब भी किसी पर मुसीबत आए तो मदद का हाथ आगे बढ़ाना चाहिए, लेकिन तृणमूल के लोगों ने तो मुसीबत को ही कमाई का साधन बना दिया। बार-बार आने वाले चक्रवातों से पश्चिम बंगाल परेशान होता है, चारों तरफ तबाही आती है, गरीब की बाड़ी मिट्टी में मिल

होवे, बंगाल का विकास आरंभ होवे : नरेन्द्र मोदी

जाती है। लेकिन तृणमूल के तोलाबाज़ों की बाड़ी और उनकी गाड़ी का साइज़ बढ़ता ही जाता है। बीते 10 साल में पश्चिम बंगाल ने इसका बहुत बड़ा अभाव देखा है। ऐसी सरकार आपने कहां देखी जो इस बात पर गर्व करती हो, कि उन्होंने शिल्प को रोका है, उद्योग को रोका है? सिंगूर के साथ इन्होंने कितना बड़ा धोखा किया, ये मुझसे बेहतर आप जानते हैं। सिंगूर का राजनीतिक उपयोग करने के बाद इन लोगों ने यहां के लोगों को अधर में छोड़ दिया। आज सिंगूर में न उद्योग हैं, न रोजगार है और जो कृषक हैं, वे भी बिचौलियों से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 6 सालों में जूट का एमएसपी 85 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाया है। गेहूं की पैकेजिंग जूट में हो, देश में प्लास्टिक की जगह जूट बैग का उपयोग हो, इसके लिए हमने कदम उठाए, जूट की डिमांड को बढ़ाया। लेकिन यहां की सरकार जूट मिलों को प्रोत्साहित ही नहीं कर रही। बंगाल के गरीब किसानों के साथ तो दीदी ने अपनी विशेष नफरत दिखाई है। पूरे देश में 10 करोड़ से ज्यादा किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल चुका है। देश भर में किसानों के बैंक खाते में सीधे सवा लाख करोड़ रुपए जमा कराए गए हैं। न कोई कटमनी, न कोई रिश्वत। लेकिन दीदी को किसानों की कोई चिंता नहीं।

उन्होंने कहा कि 2 मई को यहां सिर्फ डबल इंजन की सरकार नहीं बनेगी, बल्कि डबल बेनिफिट, डायरेक्ट बेनिफिट देने वाली सरकार बनेगी।

कांथी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 मार्च, 2021 को कांथी में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और प्रदेश की जनता से गरीबों एवं महिलाओं के साथ अन्याय करने वाली तथा गरीबों के हक के पैसे में घोटाला करने वाली भ्रष्टाचारी तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।

श्री मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 'सोनार बांग्ला' का शंखनाद होता हुआ यहां हर कोई सुन रहा है। बंगाल के कोने-कोने से एक ही आवाज आ रही है, बंगाल के हर घर से एक ही आवाज आ रही है, बंगाल के हर मुख से एक ही आवाज आ रही है कि दो मोई आछे, दीदी जाछे। दीदी जाछे, अशोल पोरिबोर्तन आछे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में अशोल पोरिबोर्तन की जरूरत है जो केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है। दो मई को पश्चिम बंगाल से दीदी की विदाई तय है। श्री मोदी ने कहा कि मैं जहां भी देख रहा हूं, लोग ही लोग नजर आ रहे हैं। मैदान छोटा पड़ गया है। दीदी तो सुनती भी नहीं हैं। दीदी देख लीजिये, ये तस्वीर इस बात की गवाह है। बंगाल की महिलाओं ने तय कर दिया है कि टीएमसी का खेला शेष होवे, बंगाल का विकास आरंभ होवे। बंगाल का विकास, यहां के उज्ज्वल भविष्य के लिए हम जी-जान से जुट जाएंगे। मैं यहां यही वादा करने आया हूं। हमारी सरकार बनते ही पश्चिम बंगाल से टोलाबाजी को खत्म किया जाएगा। ■

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव-प्रचार

भाजपा भ्रष्टाचारमुक्त, तानाशाहीमुक्त और तोलाबाजीमुक्त बंगाल के निर्माण के लिए कृतसंकल्पित है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 8 अप्रैल, 2021 को पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार, दिनहाता और मेक्लीगंज में एक के बाद एक, तीन भव्य रोड शो किया और इलाके की जनता से सभी भाजपा उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाने का आह्वान करते हुए अबकी बार, 200 पार का नारा दिया। प्रचंड गर्मी के बावजूद रोड शो में जनता का जोश और उत्साह देखते ही बनता था। भाजपा के झंडों और 'जय श्रीराम' के नारे से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो रहा था और भारी संख्या में हुजूम रोड शो में शामिल होते ही जा रहे थे। ये रोड शो अलीपुरद्वार में चौपाटी से कोर्ट मोड़ तक, दिनहाटा में संघति मैदान से रेलवे स्टेशन पार्किंग तक और मेक्लीगंज में हुजूरसाहेब में गेट से भोलर हाट मोड़ तक आयोजित किये गए।

हमारी लड़ाई 'सोनार बांग्ला' के निर्माण के लिए है ताकि बंगाल के हरेक नागरिक को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का समान अवसर मिले।

उन्होंने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में हमारी लड़ाई बंगाल को तुष्टिकरण, तोलाबाजी, तानाशाही और भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने के लिए है। हमारी लड़ाई 'सोनार बांग्ला' के निर्माण के लिए है ताकि बंगाल के हरेक नागरिक को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। इसलिए, इस बार पश्चिम बंगाल की जनता ने ममता दीदी को आराम देने और भारतीय जनता पार्टी को काम देने का निर्णय ले लिया है।

तृणमूल कांग्रेस पर जोरदार हमला बोलते हुए श्री नड्डा ने कहा कि विगत 10 सालों से पश्चिम बंगाल की जनता ममता दीदी के कुशासन और कट मनी, तानाशाही, तोलाबाजी एवं तुष्टिकरण की राजनीति से त्रस्त थी। पहले कम्युनिस्ट शासन और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस की ममता सरकार में लगातार पश्चिम बंगाल के नागरिकों के प्रजातांत्रिक अधिकारों का हनन होता रहा, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार होते रहे और ममता दीदी सोई रहीं। पश्चिम बंगाल में विकास नाम की कोई चीज नहीं रह गई। यहां तक कि गरीबों के लिए वरदान साबित हो रहे 'आयुष्मान भारत' योजना को भी पश्चिम बंगाल में ममता दीदी सरकार ने लागू नहीं होने दिया जिसके तहत हर साल देश के लगभग 55 करोड़ लोगों को सालाना पांच लाख रुपये तक के मुफ्त स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलता है। यही नहीं, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश के सभी किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सालाना 6,000 रुपये की जो आर्थिक सहायता दे रहे हैं, उसे भी ममता दीदी ने अपनी किसान विरोधी नीति के तहत पश्चिम बंगाल में लागू नहीं होने दिया। आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनाओं को लागू न करके ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल के गरीब लोगों

और किसानों के साथ जो विश्वासघात किया है, इसके खिलाफ बंगाल की जनता ने कमर कस लिया है और तृणमूल कांग्रेस को करारा सबक सिखाने का मन भी बना लिया है।

हुगली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 31 मार्च, 2021 को हुगली में आयोजित एक विशाल रैली को संबोधित किया और राज्य की जनता से भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और हिंसा की राजनीति का पर्याय बन चुकी तृणमूल कांग्रेस की सरकार को सदा के लिए ख़त्म कर पूर्ण बहुमत की भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाने का आह्वान किया।

श्री नड्डा ने कहा कि हुगली पश्चिम बंगाल का औद्योगिक क्षेत्र है, लेकिन ममता बनर्जी की सरकार में इस क्षेत्र के 60 में से 39 जूट उद्योग बंद हो गए हैं। जिस टीएमसी ने जूट उद्योग को बंद करने का पाप किया, इस विधानसभा चुनाव में अब उनका खाता भी बंद करने का समय आ गया है। तृणमूल सरकार ने न तो मजदूरों के लिए प्रोविडेंट फंड की स्कीम लागू की और न ही मिनिमम वेजेज के लिए कोई कानून ही बनाया। ये मोदी सरकार है जिसने कई क्षेत्रों में जूट बैग को परमिट देकर इस उद्योग को जीवित रखने में मदद की। जूट उद्योगों के बंद होने से इस क्षेत्र में 10 हजार से अधिक मजदूर बेरोजगार हो गए। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की जनता से धोखा किया है। धोखा देने वाली ऐसी पार्टी को सबक सिखाने और बंगाल में कमल खिलाने का समय आ गया है। भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचारमुक्त, तानाशाहीमुक्त और तोलाबाजीमुक्त बंगाल के निर्माण के लिए कृतसंकल्पित है।

उन्होंने कहा कि ममता दीदी 'मां, माटी और मानुष' का नारा देकर बंगाल की सत्ता पर काबिज हुई थीं। जिस तरह से वृद्ध माता शोभा मजूमदार जी के साथ हिंसा की गई और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के मुंह से वृद्ध मां के लिए एक शब्द भी नहीं निकला, उसी से यह स्पष्ट हो जाता है कि टीएमसी को मां की कितनी चिंता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल महिलाओं की किडनैपिंग, महिलाओं पर होने वाले एसिड अटैक, अटेम्प्ट टू मर्डर और अनसॉल्व्ड मिसिंग केस में सबसे आगे है और

महिलाओं के खिलाफ होने वाले डोमेस्टिक वायलेंस के मामले में बंगाल में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि ममता दीदी के शासन में पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के लगभग 130 कार्यकर्ता तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक हिंसा के शिकार हुए। पश्चिम बंगाल की जनता आपकी एक-एक ज्यादती का हिसाब लेने वाली है। ममता दीदी ने पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक धरोहर दुर्गा पूजा का विसर्जन रोका, पांच वर्ष तक सरस्वती पूजा नहीं होने दिया। ममता दीदी ने मुहर्रम में तो कर्फ्यू हटा दिया, लेकिन अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर के शिलान्यास वाले दिन कर्फ्यू लगा दिया। ममता दीदी, अब आपकी तुष्टिकरण की राजनीति नहीं चलेगी।

पश्चिम बंगाल महिलाओं की किडनैपिंग, महिलाओं पर होने वाले एसिड अटैक, अटेम्प्ट टू मर्डर और अनसॉल्व्ड मिसिंग केस में सबसे आगे है और महिलाओं के खिलाफ होने वाले डोमेस्टिक वायलेंस के मामले में बंगाल में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है

श्री नड्डा ने कहा कि बाटला हाउस एनकाउंटर के समय ममता बनर्जी ने कहा था कि यदि बाटला हाउस एनकाउंटर फेक नहीं हुआ तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगी। 13 साल बाद सभी साक्ष्यों के मद्देनजर कोर्ट ने आरिज खान को आतंकी करार दिया है और उसे फांसी की सजा सुनाई है। ममता दीदी, पश्चिम बंगाल की जनता आपसे पूछ रही हैं कि आप राजनीति से संन्यास कब लेंगी। आप संन्यास लें, न लें लेकिन पश्चिम बंगाल की जनता आपको राजनीति से संन्यास लेने पर मजबूर जरूर कर देगी। देशद्रोहियों को बचाने की राजनीति अब नहीं चलेगी ममता दीदी। ■

प्रदेश के कोने-कोने से भाजपा को मिल रहा है जनसमर्थन : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 2 अप्रैल, 2021 को पश्चिम बंगाल के सीतलकुची और कालचिनी में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और राज्य की जनता से तोलाबाजी, तुष्टिकरण और तानाशाही की पर्याय बन चुकी तृणमूल कांग्रेस को जड़ से उखाड़ कर बंगाल की संस्कृति की रक्षा एवं विकास के प्रति समर्पित भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की अपील की। कालचिनी में उन्होंने गलवान घाटी में शहीद विपुल रॉय और राजीव थापा को नमन किया।

उन्होंने कहा कि कूच बिहार कोलकाता से केवल 700 किमी की दूरी पर है लेकिन दीदी के दिल से 7,000 किलोमीटर दूर है। दीदी को न तो उत्तर बंगाल में कनेक्टिविटी की चिंता है, न सड़कों की, न ही स्वास्थ्य की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने सीतलकुची से खाली सिमरी तक रोड बनाने के लिए 22 करोड़ रुपये दिए हैं, लेकिन आज तक रोड नहीं बना क्योंकि ममता दीदी राजवंशी समाज की प्रगति देखना ही नहीं चाहती।

श्री शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर हमारी सबसे प्रमुख प्राथमिकता उत्तर बंगाल के विकास की होगी। हम उत्तर बंगाल के विकास के लिए उत्तर बंगाल विकास बोर्ड का गठन करेंगे, जिसके माध्यम से हर साल 2,000 करोड़ रुपये का विकास कार्य इस क्षेत्र में किया जाएगा।

नंदीग्राम, डेबरा और पंसकुरा

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 30 मार्च, 2021 को राज्य में तीन मेगा रोड शो का नेतृत्व किया। उन्होंने नंदीग्राम के साथ-साथ डेबरा और पंसकुरा में भव्य रोड शो किया। नंदीग्राम में आयोजित रोड शो में स्थानीय जनता का अपार उत्साह देखने को मिला। पूरा इलाका भाजपा के झंडों और भगवान् श्रीराम के जयघोष से गुंजायमान हो रहा था। रोड-शो को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार, भय और आतंक के अंत का समय आ गया है।

जनता ने भारतीय जनता पार्टी को चुनने का मन बना लिया है और प्रदेश के कोने-कोने से भाजपा को मिल रहा जनसमर्थन इसका प्रमाण है।

बाघमुंडी, गोपीबल्लवपुर, तामलुक और बिष्णुपुर

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 25 मार्च, 2021 को बाघमुंडी, गोपीबल्लवपुर, तामलुक और बिष्णुपुर में आयोजत विशाल जनसभा को संबोधित किया और राज्य की जनता से विकास, गरीबों के उत्थान और बंगाल की महान संस्कृति को पुनर्स्थापित करने के लिए भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत सरकार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दीदी कहती है– खेला होबे जबकि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं –विकास होबे। यह पश्चिम बंगाल की जनता को तय करना है कि उन्हें दीदी का 'खेला' चाहिए या प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 'सबका साथ, सबका विकास'।

तृणमूल सरकार पर हमला जारी रखते हुए श्री शाह ने कहा कि दीदी ने वोट बैंक की लालच में पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा और सरस्वती पूजा पर रोक लगाने का पाप किया है। हमारी सरकार आने पर दुर्गा पूजा और सरस्वती पूजा को कोई रोक नहीं पायेगा।

श्री शाह ने कहा कि करप्शन, हिंसा, आतंक और घुसपैठ से मुक्ति के लिए पश्चिम बंगाल में पूर्ण बहुमत वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनना जरूरी है। हम पांच वर्षों में 'सोनार बांग्ला' का निर्माण करेंगे। ■

असम विधानसभा चुनाव-प्रचार

एनडीए सरकार भेदभाव से नहीं, सद्भाव से क्षेत्र का विकास करती है : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 अप्रैल 2021 को असम के तामुलपुर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और असम की जनता से पहले दो चरणों की भांति तीसरे और आखिरी चरण के मतदान में भी जोर-शोर से भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने समय में असम को हिंसा और बम-बंदूक का लंबा दौर दिया जबकि एनडीए सरकार असम के हर नागरिक को साथ लेकर शांति और समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। यहां की जनता को असम की पहचान का बार-बार अपमान करने वाले और असम को दशकों तक हिंसा और अस्थिरता देने वाले लोग बर्दाश्त नहीं। असम के नागरिक अब विकास, स्थिरता, शांति और भाईचारा चाहते हैं और इसी सद्भावना के साथ वे आगे बढ़ रहे हैं। हमारा तो मंत्र है– सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास।

श्री मोदी ने कहा कि आज गरीबों को पक्का घर मिल रहा है तो हर जनजाति को मिल रहा है, शौचालय या गैस

कांग्रेस सरकार ने अपने समय में असम को हिंसा और बम-बंदूक का लंबा दौर दिया जबकि एनडीए सरकार असम के हर नागरिक को साथ लेकर शांति और समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ रही है।

कनेक्शन मिला है तो सभी को बिना भेदभाव मिला है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ भी हर किसी को मिला है फिर वो छोटा हो या बड़ा किसान, सभी को लाभ मिल रहा है। आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख रुपये तक का वार्षिक इलाज हर गरीब को मुफ्त में मिला है। हमने कोई भेदभाव नहीं किया। यही हमारे सिद्धांत हैं। राजनीति से परे राष्ट्रनीति के तहत जीने वाले लोग है हम।

श्री मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार मानती है कि किसी भी क्षेत्र के लोगों का विकास भेदभाव से नहीं, सद्भाव से होता है। इसी सद्भावना का परिणाम है कि लंबे इंतज़ार के बाद ऐतिहासिक 'बोडो अकॉर्ड' तक हम पहुंच पाए। इतनी तादाद में आई महिलाओं को देखकर मैं बहुत खुश हूं। हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं कि राज्य के किसी भी बेटे को बंदूक नहीं उठानी पड़े। हमने बोड़ो समझौता किया है जिससे असम में शांति और विकास के एक नये युग का आरंभ हुआ है। अनेक माताओं के आंसू पोंछे गए, बहनों की पीड़ा को दूर करने के लिए प्रयास किये गए।

श्री मोदी ने कहा कि एनडीए की

डबल इंजन सरकार ने पिछले पांच सालों में असम को लोगों को दुगना लाभ दिया है। पहली बार देश में 100 से ज्यादा ऐसे जिलों पर नई ताकत से काम हो रहा है जो विकास की दौड़ में पीछे रह गए थे। ये जिले अब विकास के लिए आकांक्षी जिले हैं। बक्सा और बारपेटा सहित असम के सात जिले भी इसमें शामिल हैं। इसमें भी अधिकतर लोअर असम में हैं। असम के चाय बागानों में काम करने वाले बंधुओं को भी कांग्रेस ने लंबे समय तक मुसीबत में, अभाव में रखा था। चाय बागान में काम करने वाले लोगों के लिए सबसे ज्यादा काम एनडीए सरकार ने ही किया है।

कोकराझार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 01 अप्रैल 2021 को कोकराझार में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और असम की जनता से राज्य में विकास की गति को और तेज करने एवं बाढ़ मुक्त असम बनाने के लिए एक बार पुनः भाजपा-नीत एनडीए गठबंधन की सरकार बनाने की अपील की।

श्री मोदी ने कहा कि पूरा हिंदुस्तान जानता है कि यहां के नौजवानों में फुटबॉल बहुत फेमस है। उन्हीं की भाषा में कहूं तो असम की जनता ने कांग्रेस और उसके महाझूठ को फिर से 'रेड कार्ड' दिखा दिया है।

- असम के विकास के लिए असम के लोगों का विश्वास एनडीए पर है।
- असम में शांति और सुरक्षा के लिए असम के लोगों का विश्वास एनडीए पर है।
- असम के सम्मान और संस्कृति की सुरक्षा के लिए असम के लोगों का विश्वास एनडीए पर है।

इसलिए, असम को दशकों तक लूटने वाले, असम की संस्कृति को तबाह करने का सपना देख रहे महाझूठ वाले बौखला रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लंबे शासन ने असम को बम, बंदूक और ब्लॉकेड में झोंक दिया था। एनडीए ने असम को शांति और सम्मान की सौगात दी है। ये श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की ही एनडीए सरकार थी, जिसने बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल का अधिकार आपको दिया। ये एनडीए की वर्तमान केंद्र सरकार है, जिसने स्थायी शांति के लिए ऐतिहासिक बोडो

कांग्रेस के लंबे शासन ने असम को बम, बंदूक और ब्लॉकेड में झोंक दिया था। एनडीए ने असम को शांति और सम्मान की सौगात दी है। ये श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की ही एनडीए सरकार थी, जिसने बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल का अधिकार आपको दिया।

अकॉर्ड पर मुहर लगाई। आज बीटीआर (BTR) का विस्तार भी हुआ है और विकास की नई शुरुआत भी हुई है। बोडोलैंड के स्थायी विकास के लिए हमारा मंत्र है– पीस (Peace), प्रोग्रेस (Progress) और प्रोटेक्शन (Protection) यानी शांति, समृद्धि और सुरक्षा।

बिहपुरिया और सिपाझार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 मार्च, 2021 को के बिहपुरिया और सिपाझार में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और प्रदेश में विकास की गति को और तेज करने, अवैध घुसपैठ को ख़त्म करने और असम को बाढ़मुक्त प्रदेश बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का आह्वान किया।

श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लंबे कालखंड में जिन सत्रों, जिन नामघरों को अवैध कब्जाधारियों के हवाले किया गया था, उसे भाजपा सरकार में मुक्त कराया गया है। ये हम सभी के लिए कितने कष्ट का कारण था कि 'बताद्रवा थान' तक को इन्होंने नहीं छोड़ा था। इन पवित्र स्थानों की सुरक्षा के लिए कांग्रेस ने कभी भी कुछ नहीं किया। ये भाजपानीत एनडीए सरकार की प्रतिबद्धता है कि बताद्रवा थान में एक बड़ा संस्थान बने। श्री श्री माधवदेव कलाक्षेत्र के लिए भी काम किया जा रहा है। श्री माधवदेव यूनिवर्सिटी के लिए काम प्रगति पर है। सिवसागर को देश की 5 महान धरोहरों में शामिल करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि असम की शान काज़ीरंगा को भी कांग्रेस के पाले-पोसे कब्ज़ाधारियों से मुक्त किया गया है। घुसपैठ को रोकने के लिए ढूबरी के बॉर्डर को सील किया जा चुका है।

श्री मोदी ने कहा कि दशकों तक कांग्रेस ने टी-गार्डन्स में काम करने वाले साथियों के लिए कुछ नहीं किया। 15 साल के शासन में ये लोग टी-वर्कर्स की मज़दूरी को 100 रुपए के आसपास तक ही ला पाए। कांग्रेस की ये सच्चाई, असम का हर टी-गार्डन वर्कर जानता है। एनडीए की सरकार ने केवल पांच वर्ष में चाय बागान में काम करने वाले मजदूरों की मज़दूरी को बढ़ाकर दोगुने तक पहुंचाया है। ■

असम विधानसभा चुनाव-प्रचार

असम के सतत विकास के लिए पुनः भाजपा सरकार बनाएं : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2 अप्रैल, 2021 को असम में पटाचारकुची और बोको में आयोजित विशाल रैलियों को संबोधित किया और जनता से घुसपैठ, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण का पर्याय बन चुकी कांग्रेस-बदुरुद्दीन अजमल के नापाक गठबंधन को हमेशा के लिए ख़त्म कर असम के सतत विकास के लिए समर्पित पुनः भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की अपील की।

श्री नड्डा ने कहा कि असम में एक ओर विकास एवं असम की संस्कृति के संरक्षण के प्रति समर्पित भाजपा, एजीपी और यूपीपीएल का एनडीए गठबंधन है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस-एआईयूडीएफ की जोड़ी है जिसका इरादा असम की जनता की सेवा और विकास नहीं, बस किसी भी तरह असम की सत्ता हथियाना है। मानसिक दिवालियेपन की शिकार कांग्रेस देश में अवसरवादी राजनीति की पर्याय बन चुकी है। केरल में कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टियों के खिलाफ चुनाव लड़ रही है तो असम और पश्चिम बंगाल में वह कम्युनिस्टों के गले लग रही है। एक तरफ गुत्थम-गुत्थी और दूसरी ओर नूरा-कुश्ती! राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा को कम्युनिस्टों का इतिहास नहीं मालूम क्या? मैं जिम्मेवारी के साथ कहना चाहता हूं कि कांग्रेस अब सांप्रदायिक पार्टी बन गई है। केरल में कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के साथ समझौता किया तो बंगाल में उसने फुरफुरा शरीफ के मौलाना के साथ गठबंधन किया। असम में कांग्रेस यहां की पहचान गमोसे का अपमान करने वाले बदरुद्दीन अजमल के साथ मिल कर चुनाव लड़ रही है। 2006 में कांग्रेस नेता तरुण गोगोई ने कहा था– हू इज बदरुद्दीन अजमल और 2021 में उन्हीं तरुण गोगोई का बेटा बदरुद्दीन अजमल को गले लगाते हुए कहता है– ही इज बदरुद्दीन अजमल। आखिर ये रिश्ता क्या कहलाता है?

श्री नड्डा ने कहा कि असम के चाय बागान की अनदेखी करने वाली कांग्रेस हमसे सवाल पूछती है कि भाजपा सरकार ने असम के चाय बागानों के विकास के लिए क्या किया? सबसे पहला काम तो हमने यह किया कि सर्बानंद सोनोवाल जी और हिमंता बिस्वा शर्माजी के नेतृत्व में दोनों भाई-बहनों को चाय के बागान तक लेकर आ गए। चाय बागानों तक जाने के लिए पक्की सड़कों का निर्माण हुआ। हमारी सरकार ने चाय बागानों के लिए चाह बगीचा धन पुरस्कार मेला का आयोजन कर उसका सम्मान बढ़ाया। हमने चाय बागानों में काम करने वाली प्रसूता माताओं की आर्थिक सहायता

के लिए 12,000 रुपये देने शुरू किये जिसे बढ़ाकर अब 18,000 रुपये कर दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए मैंने असम की चाय बागानों में काम कर रहे श्रमिकों के कल्याण के लिए 130 मोबाइल मेडिकल यूनिट को रवाना किया था। इस बार के बजट में चाय बागानों में काम कर रहे परिवारों के शिक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए 1,000 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि हम असम को देश का विकसित प्रदेश बनाने के लिए 10 संकल्प लेकर आये हैं। अगले पांच वर्षों में हम असम को बाढ़मुक्त प्रदेश बनायेंगे। आठवीं कक्षा से ऊपर की छात्राओं को मुफ्त साइकिल दी जायेगी। अरुणोदय योजना के तहत हम असम की 30 लाख बहनों को तीन हजार रुपये की आर्थिक सहायता देकर मातृशक्ति का सशक्तिकरण करेंगे। असम में पुनः हमारी सरकार बनने पर परिसीमन किया जाएगा। हमारी सरकार बनने पर हम दो लाख सरकारी नौकरियों और प्राइवेट सेक्टर में 8 लाख रोजगार का सृजन करेंगे। एक लाख सरकारी नौकरियां तो अगले एक साल में ही अप्रैल 2022 से पहले-पहले ही उपलब्ध करा दिया जाएगा। हमने बांस को घास की श्रेणी में डाला है। हम असम को स्वरोजगार का हब बनायेंगे और इसे आत्मनिर्भरता के पथ पर अग्रसर करेंगे। असम के सभी नामघरों को ढाई-ढाई लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

धर्मपुर और ढुबरी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 30 मार्च, 2021 को नलबाड़ी के धर्मपुर और ढुबरी के बिलासीपारा में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए कहा कि असम में कांग्रेस घुसपैठ, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण का पर्याय बन कर रह गई है जबकि भाजपा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत पांच वर्षों में 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के सूत्र को जमीन पर चरितार्थ कर के दिखाया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता बयान दे रहे हैं कि मनमोहन सिंहजी असम का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए

विगत पांच वर्षों में असम की भाजपा सरकार ने सत्र भूमि को घुसपैठ और अतिक्रमण से मुक्त किया है। इस दौरान काजीरंगा भी अवैध घुसपैठियों के चंगुल से मुक्त हुई है और असम की शान राइनो के शिकार पर भी पाबंदी लगी है। अब असम में राइनो तो बच गए हैं लेकिन कांग्रेस का ख़त्म होना तय है।

यह असम की जिम्मेवारी है कि वह कांग्रेस को वोट दें। मैं असम की जनता से पूछना चाहता हूं कि श्री मनमोहन सिंह 10 वर्षों तक देश के प्रधानमंत्री रहे। क्यों वे प्रधानमंत्री रहते हुए असम को गैस की रॉयल्टी नहीं दे सके? ये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं जिन्होंने असम को गैस रॉयल्टी के 8,000 करोड़ रुपये देकर असम को उसका अधिकार दिया। जब केंद्र और असम, दोनों जगह कांग्रेस की सरकार थी और मनमोहन सिंह जी देश के प्रधानमंत्री थे तो 13वें वित्त आयोग के दौरान असम को केंद्रीय अनुदान के तौर पर महज 80,000 करोड़ रुपये दिए गए थे, जबकि 14वें वित्त आयोग के दौरान मोदी सरकार में असम को 1,55,000 करोड़ रुपये दिए गए। विगत पांच वर्षों में असम में लगभग 11,500 किमी सड़कें बनी हैं, 6 बड़े पुलों का निर्माण हुआ है, गुवाहाटी हवाई अड्डा का आधुनिकीकरण हो रहा है, स्वच्छ भारत अभियान के तहत यहां लगभग 7 लाख टॉयलेट्स बने हैं, उज्ज्वला योजना के तहत 1.38 लाख गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया गया और सौभाग्य योजना के तहत राज्य के 17.45 लाख घरों में बिजली पहुंचाई गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत देश के लगभग 11 करोड़ किसानों को 6,000 रुपये सालाना की आर्थिक सहायता दी जा रही है जबकि असम में भारतीय जनता पार्टी ने तय किया है कि प्रदेश में पुनः सरकार बनने पर राज्य के सभी किसानों को 2,000 रुपये अतिरिक्त अर्थात् कुल 8,000 रुपये दिए जायेंगे। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना प्रदेश के घर-घर पहुंची है। असम में एम्स और कैंसर इंस्टीटयूट का निर्माण हो रहा है। कई नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं और जल जीवन मिशन के तहत हर घर में नल से शुद्ध जल पहुंचाने का कार्य प्रगति पर है।

श्री नड्डा ने कहा कि विगत पांच वर्षों में असम की भाजपा सरकार ने सत्र भूमि को घुसपैठ और अतिक्रमण से मुक्त किया है। इस दौरान काजीरंगा भी अवैध घुसपैठियों के चंगुल से मुक्त हुई है और असम की शान राइनो के शिकार पर भी पाबंदी लगी है। अब असम में राइनो तो बच गए हैं लेकिन कांग्रेस का ख़त्म होना तय है। ■

अब राज्य में शांति के साथ विकास ही विकास है : अमित शाह

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 4 अप्रैल, 2021 को असम चुनाव-प्रचार के अंतिम दिन असम के सोरभोग में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए राज्य की जनता से प्रदेश के विकास एवं गरीबों के कल्याण के लिए राज्य में पुनः पूर्ण बहुमत की भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाने का आह्वान किया।

श्री शाह ने कहा कि जो असम पहले हथियार और हिंसक आंदोलन के लिए जाना जाता था, वहां बोडोलैंड का समझौता कर प्रदेश में शांति स्थापित करने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया। हमने असम को घुसपैठियों से मुक्त करने का वादा किया था। हमने असम को आतंकवाद से मुक्त करने का वादा किया था। बीते पांच वर्षों में असम में लगभग 2,000 से अधिक लोगों ने हथियार डालकर समाज की मुख्यधारा में आने का निर्णय लिया है।

असम में पुनः भाजपा सरकार बनने पर 10 लाख लोगों को रोजगार देने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार करेगी

उन्होंने कहा कि असम में पुनः भाजपा सरकार बनने पर सार्वजनिक क्षेत्र में 2 लाख और प्राइवेट क्षेत्र में 8 लाख अर्थात् 10 लाख लोगों को रोजगार देने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार करेगी। हमने तय किया है कि असम के गुवाहाटी को पूरे उत्तर-पूर्वी राज्यों और साउथ-ईस्ट एशिया का स्टार्टअप कैपिटल बनाने का काम करेंगे। आठवीं कक्षा के बाद छात्राओं को फ्री साइकिल और कॉलेज जा रही छात्राओं को फ्री स्कूटी दी जायेगी। 2022 से पहले असम के हर घर में नल से शुद्ध जल पहुंचाने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार करेगी। सार्वजनिक अस्पतालों में बेड्स की संख्या को दोगुना किया जाएगा। हम असम में एक एसईजेड विकसित कर असम को मेडिकल टूरिज का हब बनायेंगे। दुर्गम स्थानों पर स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच के लिए हम बाइक पर एम्बुलेंस सुविधा पर काम करेंगे। चाय बागान में काम कर रहे मजदूरों के मिनिमम वेतन को हम 350 रुपये तक ले जायेंगे।

दिसपुर (कामरूप)

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 31 मार्च, 2021 को दिसपुर (कामरूप) में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में असम के विकास के लिए प्रतिबद्ध भाजपा-असम गण परिषद का एनडीए गठबंधन है, वहीं दूसरी ओर बदरुद्दीन अजमल के नेतृत्व में कांग्रेस-एआईयूडीएफ का गठबंधन है जो असम में फिर से अवैध घुसपैठ कराना चाहती है। अभी कल ही बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि "सरकार की चाभी मेरे पास है, जिसे चाहूंगा उसे बनाऊंगा और जैसे चाहूं वैसे सरकार चलाऊंगा।" उन्हें लगता है कि कांग्रेस आई तो सीमा के ताले की चाभी उनके पास होगी। ऐसा कभी होने न पायेगा। बदरुद्दीन अजमल, लोकतंत्र में सरकार की चाभी केवल जनता के हाथ होती है। हम असम को अवैध घुसपैठ का अड्डा कभी नहीं बनने देंगे। कांग्रेस नामघरों की भूमि को कब्जाने वाले बदरुद्दीन अजमल को साथ लेकर इस बार चुनाव मैदान में आई है जबकि भारतीय जनता पार्टी ने असम में हर नामघर को ढाई-ढाई लाख रुपये देने का निर्णय लिया है। असम की संस्कृति बदरुद्दीन अजमल के हाथों में कदापि सुरक्षित नहीं रह सकती।

श्री शाह ने कहा कि असम का भला प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो सकता है या फिर राहुल गांधी और बदरुद्दीन अजमल के नेतृत्व में, यह निर्णय असम की जनता को करना है। यह भाजपा की एनडीए सरकार है जो असम की बहुरंगी सभ्यता को बचा कर रख सकती है। ■

अपने सपने के केरल को देखने के लिए एनडीए को आशीर्वाद दें : नरेन्द्र मोदी

केरल विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अप्रैल, 2021 को तिरुवनंतपुरम में एक विशाल रैली को संबोधित किया।

उन्होंने कहा, "इतिहास में कई बार ऐसे अवसर आये हैं जब जनता ने अत्याचार, कुशासन और उत्पीड़न के खिलाफ एक स्वर में आवाज उठायी है और इस दौरान ऐसे क्षण भी आये, जब जनता ने सत्ता में बैठे लोगों को बहुत स्पष्ट संदेश दिया है।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "केरल की राजधानी का भाजपा के साथ एक विशेष संबंध है। क्योंकि केरल विधानसभा में हमारी पहली सीट राज्य के इसी हिस्से से आयी है।

केरल के विरोधी दलों पर हमले करते हुए श्री मोदी ने कहा, "केरल की जनता दो बातों को लेकर आश्वस्त हो चुकी है। पहला– यूडीएफ और एलडीएफ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और कुशासन, भ्रष्टाचार, राजनीतिक हिंसा, सांप्रदायिकता, जातिवाद, भाई-भतीजावाद जैसे मुद्दों पर इनका दृष्टिकोण एक समान हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति हम सबके सामने स्पष्ट है। वहां चुनाव-दर-चुनाव कांग्रेस और लेफ्ट करीब आते गये। और अब यह निकटता इन पार्टियों कांग्रेस और वामपंथी दलों के पूर्ण विलय तक पहुंच सकती है। और इस नयी पार्टी को 'कांग्रेस-कॉमरेड पार्टी' कह कर संबोधित करना गलत नहीं होगा।

"दूसरा– क्योंकि ये दोनों दल एक दूसरे के पूरक है, इसलिए यूडीएफ में

यूडीएफ में एलडीएफ को हराने की क्षमता और इच्छाशक्ति की कमी दिखायी देती है और इसलिए इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि आगामी चुनावों में एनडीए को भरपूर समर्थन मिलने जा रहा है।

एलडीएफ को हराने की क्षमता और इच्छाशक्ति की कमी दिखायी देती है और इसलिए इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि आगामी चुनावों में एनडीए को भरपूर समर्थन मिलने जा रहा है।"

श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस इतनी बेशर्म पार्टी है कि वे किसी भी मेहनती व्यक्ति की बलि अपनी उपद्रवी राजनीति के लिए चढ़ा सकती है। "कई साल पहले- 'फ्रेक्शन आई' और 'फ्रेक्शन ए' के बीच लड़ाई में एक देशभक्त वैज्ञानिक नंबी नारायणन का कैरियर नष्ट हो गया था। यही कारण है, इन दलों की भरपूर कोशिशों के बाद भी बहुत कम मेधा संपन्न लोग यूडीएफ के साथ जुड़ते हैं। देखिये, एनडीए से मेट्रोमैन श्रीधरन जुड़े हैं और आज वह बहुत से मेधा संपन्न लोगों के लिए एक प्रेरणा बनकर उभर रहे हैं।"

वर्तमान केरल सरकार पर हमला तेज करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "एलडीएफ के राज में प्रशासनिक स्तर पर एक ठहराव नजर आता है। केरल के लोग प्रतिभाशाली और मेहनती हैं, लेकिन एलडीएफ सरकार उनकी समस्याओं को हल करने के लिए कोई भी दूरदृष्टि पेश करने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि जब हमारी सरकार 2014 में बनी थी, तब केवल 5 शहरों में मेट्रो सेवाएं थीं। आज 18 शहरों में मेट्रो रेल सेवाएं हैं। इसके अलावा, मुझे पता है कि चक्रवात और बाढ़ ने पूरे केरल में बहुत नुकसान और विनाश किया है। हमारी सरकार एक मजबूत आपदा प्रबंधन प्रणाली बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। ■

राष्ट्र स्पष्ट रूप से भाई-भतीजावाद की राजनीति के खिलाफ है : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अप्रैल, 2021 को तमिलनाडु के मदुरै और कन्याकुमारी में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर की अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए श्री मोदी ने कहा, "मुझे श्री मीनाक्षी मंदिर में प्रार्थना करने का सौभाग्य मिला। मैं अपने जीवन के उन दिव्य पलों को हमेशा संजोता रहूंगा।"

एमजीआर के योगदान की बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "दक्षिण तमिलनाडु और विशेष रूप से मदुरै का एमजीआर के साथ एक विशेष संबंध है। मदुरै वीरन... इस फिल्म को कौन भूल सकता है। हम सभी जानते हैं कि एमजीआर को अपनी आवाज देने वालों में कौन था– वह टी.एम. सौंदराजन थे। 1980 में कांग्रेस ने एमजीआर की लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार को बर्खास्त कर दिया था। चुनाव करवाये गये और एमजीआर ने मदुरै पश्चिम सीट से जीत हासिल की। मदुरै के लोग चट्टान की तरह उसके पीछे खड़े थे। 1977, 1980 और 1984 में एमजीआर ने दक्षिणी तमिलनाडु से जीत हासिल की।"

उन्होंने केंद्र द्वारा शुरू की गई विकासात्मक योजनाओं के विषय में कहा, "हमने जल जीवन मिशन शुरू किया। हमारा उद्देश्य 2024 तक भारत में हर घर में नल कनेक्शन को सुनिश्चित करना है। तमिलनाडु में लॉन्च के बाद से 16 लाख से अधिक कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इस वर्ष के केंद्रीय बजट में आर्थिक गलियारों की घोषणा की गई है, और उनमें से एक मदुरै-कोल्लम गलियारा है। तमिलनाडु में रेलवे इंफ्रा परियोजनाओं के लिए आवंटित धन में 2009 की तुलना में रिकॉर्ड 238 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।"

हमने जल जीवन मिशन शुरू किया। हमारा उद्देश्य 2024 तक भारत में हर घर में नल कनेक्शन को सुनिश्चित करना है। तमिलनाडु में लॉन्च के बाद से 16 लाख से अधिक कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र से प्रेरित होकर एनडीए सरकार 130 करोड़ भारतीयों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम कर रही है। तमिलनाडु और विशेष रूप से दक्षिणी तमिलनाडु के लिए हम इन्फ्रास्ट्रक्चर, सिंचाई और निवेश पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

कांग्रेस-डीएमके गठबंधन पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "डीएमके और कांग्रेस के पास कोई वास्तविक एजेंडा नहीं है। उन्हें अपने झूठ बोलने की प्रवृति से बाज आना चाहिए, क्योंकि जनता मूर्ख नहीं हैं।"

कन्याकुमारी में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रामेश्वरम-धनुषकोडि रेलवे लाइन के बारे में बात की, जो 1964 में क्षतिग्रस्त हो गई थी। उन्होंने कहा, "50 सालों के लंबे समय के दौरान रामेश्वरम-धनुषकोडि रेलवे लाइन की मरम्मत के बारे में किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया। यह हमारी सरकार थी, जिसने एक नई रेलवे लाइन बनाने का काम शुरू किया। ऐसा ही हाल पंबन रेल ब्रिज का भी था। पिछली सरकार ने इसे नजरअंदाज कर दिया। हम इसके पुनर्निर्माण पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।"

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जनसभा में भाग लेने के लिए तमिलनाडु के लोगों को धन्यवाद दिया और मतदाताओं से आगामी चुनावों में एनडीए को वोट देने के लिए रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने का आग्रह किया। ■

भाजपा गठबंधन तमिलनाडु, बंगाल, असम और पुडुचेरी में जीत हासिल करेगा, केरल में हम एक मजबूत ताकत बनकर उभरेंगे : जगत प्रकाश नड्डा

पांच राज्यों– तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी और असम में विधानसभा चुनावों के प्रचार अभियान को गति देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 04 अप्रैल, 2021 को तमिलनाडु का दौरा किया और चेन्नई में एक प्रेसवार्ता को संबोधित किया। श्री नड्डा ने कहा, "हम निश्चित रूप से तमिलनाडु में बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाएंगे।"

उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, "मुझे विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में सरकार बना रही है, असम में हमारी सरकार बरकरार रहेगी, तमिलनाडु में भाजपा गठबंधन सरकार बना रहा है और केरल में हम बहुत अच्छा करेंगे। इन पांचों राज्यों में मुझे हर जगह जो माहौल दिखाई दे रहा है, उससे सिद्ध होता है कि एनडीए द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों का लोगों ने स्वागत किया है।"

प्रेसवार्ता की प्रमुख बातें–

- मैं जो माहौल देख रहा हूं, उसे देखकर मैं कह सकता हूं कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), जिसमें भारतीय जनता पार्टी, एआईडीएमके और पीएमके शामिल है, जीत की ओर अग्रसर हो रहे हैं और तमिलनाडु में हमारी सरकार बन रही है। हम निश्चित रूप से तमिलनाडु में पूर्ण बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाएंगे।
- चुनाव के पहले दो चरणों में पश्चिम बंगाल में लोगों से हमें जिस तरह का भारी समर्थन मिला, उसके आधार पर मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम पश्चिम बंगाल में सरकार बनाने जा रहे हैं। असम में भी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन फिर से राज्य में एक मजबूत सरकार बनाएगा। भारतीय जनता पार्टी और उसके गठबंधन सहयोगी पुडुचेरी में भी सरकार बनाएंगे।
- पश्चिम बंगाल की जनता ने ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा राज्य में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, तुष्टीकरण, अराजकता, अपराधीकरण की राजनीति को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। जनता ममता दीदी के कुशासन से तंग है और इसलिए उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में भारी मतदान किया है।
- असम में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है और असम को विकास के पथ पर अग्रसर किया है, बोडो समझौता हुआ और हमने असम की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित किया है। लोगों के समर्थन से हम फिर से राज्य में अपनी सरकार बनाने जा रहे हैं।
- पुडुचेरी में लोग नारायणसामी सरकार से तंग आ चुके हैं और लोग अब हमारा समर्थन कर रहे हैं। एनआर कांग्रेस के साथ भारतीय जनता पार्टी पुडुचेरी में सरकार बनाने जा रही है।
- केरल में भारतीय जनता पार्टी एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर रही है। भारतीय जनता पार्टी एलडीएफ और यूडीएफ के खिलाफ एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है, क्योंकि जनता इन दलों की भ्रष्टाचार की संस्कृति से दुःखी हैं।
- एआईएडीएमके सरकार ने तमिलनाडु में नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यक्रमों और नीतियों को सफलतापूर्वक लागू किया। हमें विश्वास है; एनडीए तमिलनाडु में सरकार बनाने जा रहा है। ■

बंगाल में दोस्ती और केरल में कुश्ती, कांग्रेस और लेफ्ट का यह कैसा रिश्ता : शिवराज सिंह चौहान

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 2 अप्रैल को केरल विधानसभा चुनाव के निमित्त दौरे पर रहे। उन्होंने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में तीन जनसभाओं को संबोधित कर एक रोड शो भी किया। बेपूर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार केपी प्रकाश बाबू, कोंगद में एम. सुरेश बाबू और चेलाक्कारा में शजुमोन वट्टक्कड़ के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया।

श्री चौहान ने कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल बाबा बंगाल में लेफ्ट के साथ लड़ते हो, यहां खिलाफ लड़ते हैं, यह रिश्ता क्या कहलाता है!

श्री चौहान ने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री जवाब दें कि गोल्ड स्कैम की आरोपी महिला मुख्यमंत्री आवास पर बार-बार क्यों आती थी? केरल के मुख्यमंत्री केरल की जनता को जवाब दें, एयरपोर्ट पर सोना पकड़े जाने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय ने कस्टम ऑफिसर पर दवाब डाला या नहीं? विजयनजी केरल की जनता को जवाब दें, क्या आपने ईडी और कस्टम ऑफिसर पर जो हमला हुआ, उसकी ठीक से जांच कराई? विजयनजी जवाब दें कि प्रदेश की शांति क्यों भंग कर रहे हैं?

उन्होंने कहा कि एलडीएफ-यूडीएफ दोनों ने केरल को जिहादियों के हवाले कर दिया है। यहां लव जिहाद चल रहा है। लोभ, लालच, डर, नाम बदलकर भ्रमित कर कई जिंदगियां बर्बाद करने का अपराध किया जा रहा है। मैं मध्य प्रदेश की धरती से आया हूं और वहां लव जिहाद के खिलाफ हमने कानून बनाया है। हम लव के खिलाफ नहीं, जिहाद के खिलाफ हैं। जहां भारतीय जनता पार्टी होगी, वहां लव जिहाद चलने नहीं देगी। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कानून बन गया है। केरल में भी हमारी सरकार बनते ही कानून बना दिया जाएगा। ■

दो मई को बंगाल को टीएमसी सरकार से मुक्ति मिलेगी : योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 8 अप्रैल को हुगली में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मां की बात करनेवाली, खुद को बंगाल की बेटी कहनेवाली ममता दीदी मां दुर्गा और सरस्वती की पूजा को प्रतिबंधित करती हैं और गौ हत्या का समर्थन करती हैं। उत्तर प्रदेश में कोई गौ हत्या नहीं कर सकता और अगर करेगा तो जेल के अंदर जाएगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सीएए के प्रदर्शन के दौरान टीएमसी के लोग ऐसे लोगों का समर्थन कर रहे थे, जो हिंसा भड़काने का काम कर रहे थे। उत्तर प्रदेश में हमने दंगाइयों के होर्डिंग्स लगाए और उनकी संपत्तियों को जब्त कर लिया। ममता दीदी ये नहीं कर सकतीं, क्योंकि वह उन्हें टीएमसी के वोट बैंक के रूप में देखती हैं।

योगी आदित्यनाथ ने 7 अप्रैल को जलपाईगुड़ी में रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि दीदी इस समय इतनी नाराज हैं कि वो कह रही हैं कि जय श्रीराम बोलोगे तो जेल में डाल देंगे। चिढ़ भाजपा से या हम से हो सकती है, राम से क्यों? राम से टकराने का जिसने भी दुस्साहस किया है उसकी दुर्गति हुई है, बंगाल में टीएमसी की दुर्गति तय है। योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि दो मई को बंगाल को टीएमसी सरकार से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि टीएमसी के गुंडों को कानून के शिकंजे में कसा जाएगा। ये तय है कि अपराधी को कांग्रेस, कम्युनिस्ट, टीएमसी जैसे दल संरक्षण जरूर देंगे, लेकिन कानून के लंबे हाथ इन्हें पाताल से भी निकाल कर जेल के अंदर भेजने का काम करेंगे।' ■

भाजपा सरकार का मतलब है– राष्ट्र निर्माण के लिए सही नीति, साफ नीयत और सटीक निर्णय : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के 41वें स्थापना दिवस पर 6 अप्रैल 2021 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया और उनसे देश के नवनिर्माण में और जन-जन की सेवा में कटिबद्ध होकर महती भूमिका निभाने का आह्वान किया।

श्री मोदी कहा कि मैं पार्टी के स्थापना दिवस पर सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। मैं आज के दिन पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता की ओर से श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जीजी, पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी, कुशाभाऊ ठाकरेजी, राजमाता सिंधियाजी, ऐसे अनगिनत महान व्यक्तित्वों, पार्टी के संस्थापक सदस्यों एवं महान मनीषियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पार्टी को आकार देने वाले, पार्टी को विस्तार देने वाले हमारे आडवाणीजी, मुरली मनोहर जोशीजी जैसे वरिष्ठों का आशीर्वाद भी हमें लगातार मिलता रहा है। पार्टी को अपना जीवन समर्पित करने वाले ऐसे हर वरिष्ठजन को मैं नमन करता हूं।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए हमेशा ये मंत्र रहा है कि 'व्यक्ति से बड़ा दल, दल से बड़ा देश'– ये परंपरा डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी जी से लेकर आज तक अनवरत चली आ रही है। यह डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी के बलिदान की शक्ति है कि हम वो स्वप्न पूरा कर पाए, आर्टिकल 370 हटाकर कश्मीर को संवैधानिक अधिकार दे पाये। हम सभी ने देखा है कि कैसे अटलजी ने एक वोट से सरकार गिरना स्वीकार कर लिया था, लेकिन पार्टी के आदर्शों से समझौता नहीं किया था।

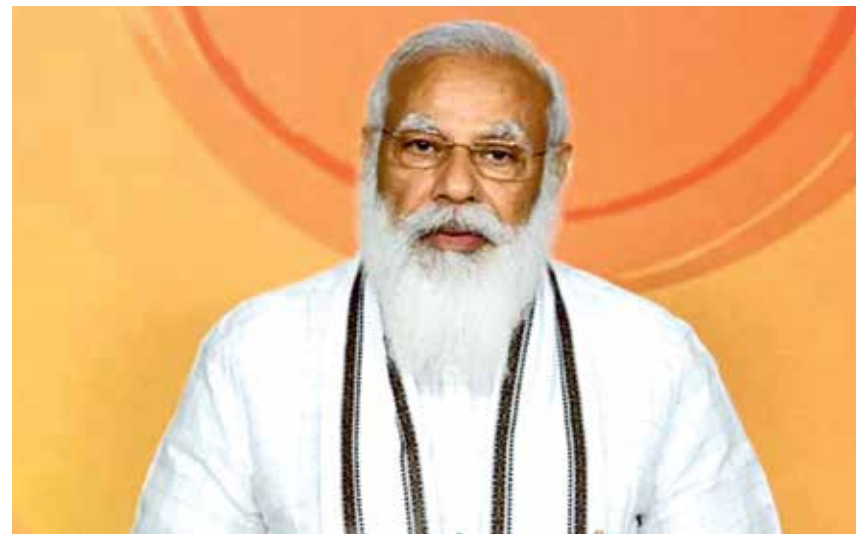

उन्होंने कहा कि पिछले साल कोरोना ने पूरे देश के सामने एक अभूतपूर्व संकट खड़ा कर दिया था। तब आप सब अपना सुख-दुःख भूलकर देशवासियों की सेवा में लगे रहे। आपने 'सेवा ही संगठन' का संकल्प लिया, उसके लिए काम किया। आज भाजपा से गांव-गरीब का जुड़ाव इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि आज वो पहली बार अंत्योदय को साकार होते देख रहा है।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजी में एक कहावत होती है-टिप ऑफ द आइसबर्ग। हमारी पार्टी में भी एक टिप ऑफ द आइसबर्ग है। ये अखबारों में, टीवी पर दिखता है लेकिन इनकी संख्या बहुत ज्यादा नहीं है। एक बहुत बड़ी संख्या भाजपा के उन कार्यकर्ताओं की है, जो दिखाई नहीं देते पर जमीन पर रहकर काम करते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आज आम जनमानस ये महसूस करता है:

- भाजपा सरकार का मतलब है– राष्ट्र निर्माण के लिए सही नीति, साफ नीयत और सटीक निर्णय।
- भाजपा आने का मतलब है– 'राष्ट्र प्रथम'।
- भाजपा आने का मतलब है– देशहित से समझौता नहीं, देश की सुरक्षा सर्वोपरि।
- भाजपा आने का मतलब है– वंशवाद, परिवारवाद की राजनीति से मुक्ति।
- भाजपा आने का मतलब है– योग्यता को अवसर।
- भाजपा आने का मतलब है– पारदर्शिता, गुड गवर्नेंस।

श्री मोदी ने कहा कि भाजपा अर्थात् 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास।' हमारे जो संस्कार हैं, हम राजनीतिक छुआछूत में विश्वास नहीं करते। इसलिए हम सरदार पटेल को समर्पित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाकर गर्व करते हैं। इसलिए हम बाबासाहब के लिए पंचतीर्थ का निर्माण कर गर्व करते हैं। हम

खुले दिल से भाजपा के घोर विरोधी रहे व्यक्तित्वों का भी सम्मान करते हैं, उन्हें सम्मान देते हैं। भारत रत्न से लेकर पद्म पुरस्कार, इसका उदाहरण हैं। पद्म पुरस्कारों में हमने जो बदलाव किए हैं, वो तो अपने आप में पूरी एक गाथा है।

उन्होंने कहा कि केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में हमारे कार्यकर्ताओं को धमकियां दी जाती हैं, उन पर हमले होते हैं, उनके परिवार पर हमले होते हैं लेकिन अपनी विचारधारा के लिए वो अडिग रहते हैं, डटे रहते हैं। वहीं वंशवाद और परिवारवाद का हश्र भी 21वीं सदी का भारत देख रहा है। स्थानीय आकांक्षाओं के सहारे जो स्थानीय पार्टियां खड़ी हुई, बाद में वह भी एक परिवार की, एक दो लोगों की पार्टियां बनकर रह गई। नतीजा आज सामने है।

उन्होंने कहा कि आज गलत नरैटिव बनाए जाते हैं– कभी सीएए को लेकर, कभी कृषि कानूनों को लेकर तो कभी लेबर लॉ को लेकर। भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को समझना होगा कि इसके पीछे सोची-समझी राजनीति है, ये एक बहुत बड़ा षड्यंत्र है। इसका मकसद है– देश में राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना। इसलिए, देश में तरह-तरह की अफवाहें फैलाई जाती हैं, भ्रम फैलाया जाता है। कभी कहा जाता है संविधान बदल दिया जाएगा। कभी कहा जाता है आरक्षण समाप्त कर दिया जाएगा। कभी कहा जाता है नागरिकता छीन ली जाएगी। ये सब कोरे झूठ होते हैं लेकिन कुछ लोगों और संगठनों द्वारा इन्हें तेजी से फैलाया जाता है। हमें इस षड्यंत्र को समझना होगा और इस साजिश को बेनकाब करना होगा।

श्री मोदी ने कहा कि हमें अमृत महोत्सव को भी देश के प्रत्येक नागरिक तक लेकर जाना है। ■

भाजपा केवल राजनीतिक दल ही नहीं है, बल्कि इसका एक सामाजिक आयाम भी है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 6 अप्रैल 2021 को पार्टी के 41वें स्थापना दिवस पर दिल्ली स्थित भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में विचारधारा, राष्ट्रसेवा एवं जन सेवा को समर्पित विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल भारतीय जनता पार्टी के 41वें स्थापना दिवस पर जनसेवा में समर्पित सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को मैं हार्दिक शुभकामनाएं

देश की एकता एवं अखंडता के अग्रदूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जीजी और एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

हमारी वैचारिक पृष्ठभूमि देखी जाये तो एकात्म मानववाद और अंत्योदय से होते हुए 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र पर भारतीय जनता पार्टी लगातार आगे बढ़ रही है

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि 1980 में आज के ही दिन भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई थी। आज हम अपनी पार्टी का 41वां स्थापना दिवस मना रहे हैं। देता हूं।

श्री नड्डा ने कहा कि स्थापना से लेकर आज तक, श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जीजी, पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी, श्रद्धेय सुंदर सिंह भंडारीजी, आदरणीय कुशाभाऊ ठाकरेजी, श्रद्धेय लालकृष्ण आडवाणीजी जैसे मनीषी महापुरुषों ने पार्टी को सींचा है और इन्हीं मनीषी महापुरुषों के त्याग, तपस्या और बलिदान के बल पर हमने लोक सभा में 2 सांसदों से 303 तक की यात्रा की है। आज

देश में नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व केंद्र में पूर्ण बहुमत की भारतीय जनता पार्टी सरकार है और देश के 12 राज्यों में भी हमारी सरकारें जनता की सेवा में अहर्निश लगी हुई हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि हमारी वैचारिक पृष्ठभूमि देखी जाये तो एकात्म मानववाद और अंत्योदय से होते हुए 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र पर भारतीय जनता पार्टी लगातार आगे बढ़ रही है फिर चाहे वह स्वच्छ भारत योजना हो, आयुष्मान भारत योजना हो, उज्ज्वला योजना हो, सौभाग्य योजना हो, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना हो या जन-धन योजना और अन्य योजनायें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व इन सारी जनोपयोगी योजनाओं ने देश की तस्वीर और तकदीर, दोनों बदली है। आज 18 करोड़ से अधिक भाजपा के सदस्य हैं और भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल राजनीतिक दल ही नहीं है, बल्कि इसका एक सामाजिक आयाम भी है। कोरोना वायरस के संक्रमण काल के दौरान भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं ने तन-मन-धन से जिस तरह समाज की सेवा की है, वह अपने आप में

अद्भुत और अनुकरणीय है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह से 130 करोड़ देशवासियों ने एकजुट होकर कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ी है, उसकी पूरे विश्व में मुक्त कंठ से सराहना हो रही है। जहां दुनिया के तमाम देश कोरोना के सामने लड़खड़ाते नजर आये, वहीं हमारे प्रधानमंत्री जी ने निर्णायक नेतृत्व करते हुए न केवल देशवासियों की रक्षा की बल्कि अर्थतंत्र के चक्र को भी गतिशील किया। आज दो-दो 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन बन कर तैयार है और बड़े पैमाने पर वैक्सीनेशन का कार्यक्रम हो रहा है। जहां कोरोना लॉकडाउन के समय हमने दुनिया के लगभग 150 देशों को दवाइयों की आपूर्ति की, वहीं आज 72 देशों को हम कोविड की वैक्सीन दे रहे हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गौरवशाली भारत प्रगति के पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है और गौरव के साथ दुनिया में अपना नाम स्थापित कर रहा है। ये हमारे लिए गर्व की बात है। पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं, इसमें भी जनता का भरपूर आशीर्वाद हमें मिलेगा। मैं एक बार पुनः हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन करता हूं और हम उनके मार्गदर्शन में उनके दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुसरण करेंगे। ■

मार्च, 2021 में 1,23,902 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड सकल जीएसटी राजस्व की हुई वसूली

जीएसटी राजस्व लगातार छठी बार एक लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचा और इसमें लगातार बढ़ोतरी महामारी के बाद आर्थिक सुधारों का स्पष्ट संकेत है

मार्च, 2021 में 1,23,902 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड सकल जीएसटी राजस्व की वसूली हुई, जिसमें सीजीएसटी 22,973 करोड़ रुपए, एसजीएसटी 29,329 करोड़ रुपए, आईजीएसटी 62,842 करोड़ रुपए (वस्तुओं के आयात पर वसूली गई 31,097 करोड़ रुपए की राशि सहित), 8,757 करोड़ रुपए की उपकर राशि (वस्तुओं के आयात पर वसूल की गई 935 करोड़ रुपए की राशि सहित) शामिल है।

केंद्र सरकार ने नियमित निपटान के रूप में सीजीएसटी से 21,879 करोड़ और आईजीएसटी से एसजीएसटी के रूप में 17,230 करोड़ रुपए का नियमित निपटान किया। इसके अलावा, केंद्र ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के बीच 50:50 के अनुपात में आईजीएसटी तदर्थ निपटान के रूप में 28,000 करोड़ रुपये का निपटान भी किया है। मार्च, 2021 में नियमित निपटान के बाद केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा अर्जित कुल राजस्व इस प्रकार है- सीजीएसटी के लिए 58,852 करोड़ रुपए और एसजीएसटी के लिए 60,559 करोड़ रुपए। केंद्र ने मार्च, 2021 के महीने के दौरान 30,000 करोड़ रुपये का मुआवजा भी जारी किया है।

मार्च, 2021 के दौरान जीएसटी राजस्व, जीएसटी लागू होने के बाद सबसे अधिक है। जीएसटी राजस्व में वसूली की वर्तमान प्रवृत्ति के अनुरूप मार्च, 2021 में पिछले साल के इसी माह की तुलना में जीएसटी राजस्व 27 प्रतिशत अधिक रहा। पिछले साल मार्च माह की तुलना में इस माह के दौरान वस्तुओं के आयात से प्राप्त राजस्व 70 प्रतिशत अधिक रहा तथा घरेलू लेन-देन (सेवाओं के आयात सहित) से प्राप्त राजस्व 17 प्रतिशत ज्यादा रहा। जीएसटी राजस्व में इस वित्त वर्ष की पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी तिमाही में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में क्रमशः (-) 41%, (-) 8%, 8% और 14% की वृद्धि दर देखी गई।

जीएसटी राजस्व लगातार छठी बार एक लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचा है और इसमें लगातार बढ़ोतरी महामारी के बाद आर्थिक सुधारों का स्पष्ट संकेत है। पिछले कुछ महीनों में कर राजस्व में लगातार वृद्धि में जीएसटी, आयकर और सीमा शुल्क आईटी प्रणालियों तथा प्रभावी कर प्रशासन सहित कई स्रोतों से डेटा का उपयोग करके नकली बिलिंग के खिलाफ गहरी निगरानी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ■

डीआरडीओ प्रयोगशाला ने 9.0 किलोग्राम वजनी हल्की बुलेट प्रूफ जैकेट निर्मित की

युद्ध क्षेत्र में हल्की बुलेट प्रूफ जैकेट सैनिकों के लिए अत्यंत उपयोगी है

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) लैब डिफेंस मैटेरियल्स एंड स्टोर्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने भारतीय सेना की गुणात्मक आवश्यकताओं को पूरा करते हुए 9.0 किलोग्राम वजनी हल्के वजन वाली बुलेट प्रूफ जैकेट (बीपीजे) विकसित की।

फ्रंट हार्ड आर्मस पैनल (एफएचएपी) जैकेट का परीक्षण टर्मिनल बैलिस्टिक अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़ में किया गया और इस परीक्षण ने प्रासंगिक बीआईएस मानकों को पूरा किया। इस महत्वपूर्ण विकास का महत्व इस तथ्य में निहित है कि बीपीजे के वजन में कमी का प्रत्येक ग्राम युद्ध क्षेत्र में बने रहने के लिहाज से सैनिक का आराम बढ़ाने में महत्वपूर्ण है। इस तकनीक से मध्यम आकार के बीपीजे का वजन 10.4 से 9.0 किलोग्राम तक कम हो जाता है। इस उद्देश्य के लिए प्रयोगशालाओं में बहुत विशिष्ट सामग्री और प्रक्रमण प्रौद्योगिकियों का विकास किया गया है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ के वैज्ञानिकों और उद्योग को हल्के वजन वाली बीपीजे विकसित करने के लिए बधाई दी जिससे सैनिक और अधिक आराम महसूस कर पाएंगे। ■

'जल जीवन मिशन' के तहत अब तक चार करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में पाइप से पीने का पानी पहुंचा

इस समय कुल ग्रामीण घरों के 1/3 से अधिक (38 प्रतिशत)
अर्थात् 7 करोड़ 24 लाख ग्रामीण घरों में नल का पानी उपलब्ध हो गया है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2024 तक देश के ग्रामीण क्षेत्रों के सभी घरों में पाइप से पेय जल पहुंचाने के लिए 15 अगस्त, 2019 को की गई घोषणा के बाद से अब तक 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत चार करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में पाइप (नल) से पेय जल आपूर्ति का नया कीर्तिमान स्थापित हुआ। इस समय कुल ग्रामीण घरों के 1/3 से अधिक (38 प्रतिशत) अर्थात 7 करोड़ 24 लाख ग्रामीण घरों में नल का पानी उपलब्ध हो गया है।

गोवा देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है जहां शत-प्रतिशत ग्रामीण घरों में पाइप से पीने का पानी मिल रहा है। इसके बाद तेलंगाना एवं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह आते हैं। इन राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के अनथक प्रयासों से जल जीवन मिशन को 56 जिलों के 86,000 से अधिक गावों में रह रहे प्रत्येक परिवार को पेय जल आपूर्ति करना सुनिश्चित हो सका है।

अब सभी राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश आपस में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए अपने-अपने लक्ष्यों पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं कि देश में हर व्यक्ति को सुरक्षित और स्वच्छ पेय जल मिल सके और कोई भी छूटे नहीं।

पानी की गुणवत्ता से प्रभावित क्षेत्रों में पेय जल की आपूर्ति करना 'जल जीवन मिशन' की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। दूषित पानी विशेषकर आर्सेनिक और फ्लोराइड युक्त पानी की उपलब्धता वाले गांवों में स्वच्छ और सुरक्षित पेय जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

'जल जीवन मिशन' पीने का पानी वास्तव में पीने योग्य हो, को सबसे अधिक प्राथमिकता देता है। ऐसा होने से पानी से होने वाली बीमारियों में कमी आएगी और लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश अब पानी की गुणवत्ता की जांच करने वाली प्रयोगशालाओं को अद्यतन और उच्चीकृत करने के साथ ही आम लोगों के लिए खोल रहे हैं, ताकि लोग नाममात्र का शुल्क देकर अपने यहां के पानी के नमूनों की जांच करवा सकें।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के बाद अब 'जल जीवन मिशन' का प्रयास यह है कि हर व्यक्ति पानी से जुड़े अर्थात् यह एक जन आन्दोलन बन जाए। प्रधानमंत्रीजी ने 22 मार्च, 2021 को विश्व जल दिवस के अवसर पर 'कैच द रेन' अभियान शुरू करने के साथ ही लोगों से आह्वान किया था कि वे वर्षा के पानी की हर बूंद को सहेजें। अतः इसी को आगे बढ़ाते हुए इस काम में सभी हितधारकों को शामिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ■

सीबीडीटी ने 31 मार्च, 2021 तक 2.62 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया

कोविड-19 महामारी के कारण वित्त वर्ष 2020-21 दुनिया और भारत के लिए काफी चुनौती भरा रहा है। केंद्र सरकार ने महामारी के कारण लोगों को हुई आर्थिक कठिनाई को कम करने के लिए समय-समय पर कई पहल की है। व्यक्तिगत और व्यावसायिक करदाताओं को तत्काल राहत देने के लिए सरकार ने ज्यादातर लंबित टैक्स रिफंड को तत्परता के साथ जारी कर दिए।

इस आधार पर एक अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 के बीच केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 2.38 करोड़ से ज्यादा करदाताओं के 2.62 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी कर दिया, जो कि वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में 43.2 फीसदी ज्यादा है। वित्त वर्ष 2019-20 की अवधि के दौरान 1.83 लाख करोड़ रुपये का टैक्स रिफंड जारी किया गया था।

इसके तहत 2,34,27,418 व्यक्तिगत मामलों में 87,749 करोड़ रुपये का टैक्स रिफंड जारी किया गया, जबकि 3,46,164 मामलों में 1,74,576 करोड़ रुपये के कॉरपोरेट टैक्स रिफंड जारी किए गए।

केंद्र सरकार की यह कोशिश रही है कि वह महामारी की वजह से उत्पन्न हुए आर्थिक संकट को कम करने के लिए राहत के कदम उठाती रहे। इसी के तहत सीबीडीटी ने लंबित रिफंड को तेजी से जारी किया है। ■

वित्त वर्ष 2020-21 में प्रतिदिन 37 किलोमीटर राजमार्गों के निर्माण का बना नया कीर्तिमान

पिछले 7 वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई में करीब 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अप्रैल, 2014 में राजमार्ग की लंबाई 91,287 किलोमीटर से बढ़कर 20 मार्च, 2021 तक 1,37,625 किलोमीटर हो गई

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा पिछले कुछ वर्षों में देशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति हुई। मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2020-21 में प्रतिदिन 37 किलोमीटर राजमार्गों के निर्माण कर नया कीर्तिमान बनाया, जो अभूतपूर्व है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग और एमएसएमई मंत्री श्री नितिन गडकरी ने एक अप्रैल को कहा कि यह अधिकारियों और अन्य हितधारकों के समर्पण और टीम भावना के साथ काम करने के बिना संभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां अभूतपूर्व हैं और दुनिया का कोई भी देश इसका मुकाबला करने में सक्षम नहीं है।

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण क्षेत्र में प्रमुख उपलब्धियां

- पिछले 7 वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई में करीब 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अप्रैल, 2014 में राजमार्ग की लंबाई 91,287 किलोमीटर से बढ़कर 20 मार्च, 2021 तक 1,37,625 किलोमीटर हो गई।
- कुल बजटीय परिव्यय में करीब 5.5 गुना वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2015 में 33,414 करोड़ रुपए का बजटीय परिव्यय था जो वित्त वर्ष 2022 में 1,83,101 करोड़ रुपए हो गया है।
- कोविड-19 महामारी के असर के बावजूद वित्त वर्ष 2020 के लिए मंजूर राशि की तुलना में 2021 के लिए राशि में 126 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2020 की तुलना में इस साल स्वीकृत सड़क लंबाई के किलोमीटर में भी 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।
- वित्त वर्ष 2015 से 2021 के बीच औसत वार्षिक प्रोजेक्ट अवॉर्ड में वित्त वर्ष 2010 से 2014 के बीच की तुलना में करीब 85 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।
- इसी तरह वित्त वर्ष 2015 से 2021 के दौरान औसत वार्षिक निर्माण में (औसत वार्षिक निर्माण लंबाई) वित्त वर्ष 2010 से 2014 की तुलना में 83 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- चालू वर्ष के कार्यों की संचयी लागत वित्त वर्ष 2021 के अंत में वित्त वर्ष 2020 की तुलना में 54 प्रतिशत बढ़ी है (31 मार्च तक)। ■

तीन और राफेल विमान फ्रांस से भारत पहुंचे

भारतीय बेड़े में राफेल विमानों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है।
पांच राफेल विमानों का पहला जत्था 29 जुलाई, 2020 को भारत पहुंचा था

फ्रांस से तीन राफेल लड़ाकू विमानों का चौथा जत्था 31 मार्च को भारत पहुंच गया। इन विमानों के आने से भारतीय वायुसेना की हमला करने की क्षमता में और इज़ाफा होगा। वायुसेना ने बताया कि ये विमान फ्रांस से भारत आने के दौरान रास्ते में कहीं भी नहीं रुके और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के वायु सेना टैंकरों ने आसमान में ही विमानों में ईंधन भरा।

वायुसेना ने ट्वीट किया कि तीन राफेल विमानों का चौथा जत्था भारतीय धरती पर उतर गया है। इसने फ्रांस के इसत्रेस वायुसेना अड्डे से सीधी उड़ान भरी थी। भारतीय वायुसेना ने राफेल विमानों में ईंधन भरने के लिए यूएई की वायुसेना का आभार जताया और इसे दो वायुसेनाओं के बीच मजबूत रिश्तों में एक और मील का पत्थर बताया।

इससे पहले फ्रांस में भारतीय दूतावास ने ट्विटर पर बताया था कि फ्रांस से तीन और राफेल लड़ाकू विमानों ने भारत के लिए उड़ान भरी और ये विमान रास्ते में कहीं भी नहीं रुकेंगे। उसने कहा कि इन विमानों से भारत की हवाई ताकत और बढ़ेगी।

इसी के साथ भारतीय बेड़े में राफेल विमानों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। पांच राफेल विमानों का पहला जत्था 29 जुलाई, 2020 को भारत पहुंचा था। इससे करीब चार साल पहले फ्रांस से 59,000 करोड़ रुपये में 36 राफेल विमान खरीदने का सौदा किया गया था।

तीन राफेल विमानों का दूसरा जत्था तीन नवंबर को भारत पहुंचा था जबकि 27 जनवरी, 2021 को तीन और विमान वायुसेना को मिले थे। भारत को अगले कुछ महीनों में फ्रांस से और राफेल विमान मिल सकते हैं। ■

राष्ट्रवाद को कोई वाद मिटा नहीं सका

दीनदयाल उपाध्याय

(गतांक का शेष...)

सतीत्व के संबंध में हमारी एक धारणा है। पशुओं के समान जीवन बिताना तो कहीं भी उचित नहीं माना गया है। रूस में इसके संबंध में एक नया प्रयोग किया गया। पति पत्नी के स्थायी संबंधों के कारण कुटुंब बनता है, कुटुंब से निजी संपत्ति की भावना बनती है। इसलिए ये लोग सतीत्व की भावना व विवाह की कौटुंब्कि भावना को हेय मानने लगे, परंतु लेनिन भी इस सिद्धांत को चला नहीं पाया। आत्मा के संबंध में भी सर्वत्र खोज एवं चिंतन हुआ है, परंतु हमारे जीवन में जितना स्थान इसके लिए है, वह अन्य कहीं नहीं, केवल हमारे यहां ही नीतिमत्ता, संयम, नैतिकता, अपरिग्रह आदि हैं। ऐसा मानना भी गलत होगा। दूसरे देश भी ऐसा करते हैं, किंतु हमने ही सबसे अधिक चिंतन किया है। हमने हिंसा करते हुए भी हिंसा को बुरा माना है, धर्म के लिए युद्ध किया है, धर्म की व्यवस्था के लिए ही महाभारत का युद्ध हुआ था। जीवन की यह विशेषता बनी चिति के कारण ही। हमारा एक दृष्टिकोण बना है, यह चिति ही प्रत्येक संस्कृति को अलग-अलग करती है। संस्कृति वहां बनेगी, जहां चिति होगी; कटा हुआ हाथ कभी मनुष्य नहीं कहलाएगा, वैसे ही कुछ लोगों के संगठन मात्र से समाज नहीं बनता, भिन्न-भिन्न चितियों के लोगों से भी समाज नहीं बनाया जा सकता।

संस्कृति और विकृति

राष्ट्र का निर्माण भी संस्कृति के आधार पर होता है। एक राष्ट्र की जो लोग अलग संस्कृति मानते हैं, वे एक राष्ट्र के अंग नहीं हो सकते। जब जिन्ना ने मुसलमान को अलग संस्कृति की बात प्रारंभ की तो अंत एक अलग राष्ट्र के रूप में हुआ। द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम भी आज अपनी अलग संस्कृति मानकर एक अलग

राष्ट्र बनाने की योजना कर रही है।

जब तक एक संस्कृति का भाव नहीं होगा, तब तक एकता नहीं हो सकती। समाज की मूल प्रकृति के अनुसार यदि संस्कार पड़े तो वह संस्कृति होगी, यदि संस्कार प्रतिकूल रहे तो वह विकृति होगी। कुछ लोग तो परिवर्तन को भी संस्कृति मानते हैं। पर परिवर्तन यदि हमारी एकता को बनाए तब तो ठीक है, अन्यथा निरर्थक है। मजाक मित्रता का भी परिचायक होता है और आंतरिक वैमनस्य का भी। समाज की एकात्मकता का जिससे विरोध हो, उस परिवर्तन को हम स्वीकार नहीं करेंगे। हजारों वर्ष से चले आ रहे समाज की धारणाओं में यदि भेद आ जाए तो वह विकृति होगी। वहीं अपना-पराया का भेद आते ही कठिनाई उपस्थित होगी। हमने रावण को बुरा मानते हुए भी कभी पराया नहीं कहा। यही बात दुर्योधन एवं जयचंद पर भी लागू होती है। आज द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम रामचंद्रजी का इसी आधार पर विरोध करती है कि वे उत्तर से आए थे और रावण के राक्षस होते हुए भी उसे अपना मानती है, यह विकृति का लक्षण है। मुसलमानों ने भी जबसे अपने-पराए का भेद किया तो उनमें विकृति आ गई। मसजिद में जाना विकृति नहीं, जो इस देश का है, वह मेरा नहीं यह विकृति है। हमने संपूर्ण देश को पुण्यभूमि कहा है, परंतु कुछ भाग को पाकिस्तान तथा बाक़ी को न पाकिस्तान कहना विकृति है।

विकृति और संस्कृति का मेल असंभव

कुछ लोग विकृति एवं संस्कृति के मेल की बात करते हैं, परंतु वह हो नहीं सकती। हिंदू-मुसलमानों के मेल में कांग्रेस ने देश की वही दुर्गति की है। मुसलमानों को यदि राणा प्रताप एवं शिवाजी की बातें अच्छी नहीं लगीं तो कांग्रेस ने उनकी बात छोड़ना ही श्रेयस्कर समझा। हिंदुओं की औरंगजेब के प्रति तीव्र प्रतिक्रिया देखी तो अकबर को राष्ट्रीय पुरुष के रूप में

खड़ा करने का प्रयास किया गया। इस प्रकार के प्रयत्नों से राष्ट्रीय एकता उत्पन्न नहीं हो सकती। संस्कृति के आधार के बिना राष्ट्रीय एकता संभव नहीं है, इस संस्कृति ने ही हमें हजारों वर्षों तक जोड़े रखा है।

भारतीय संस्कृति से विभिन्नता में एकता संभव

विचारों की भिन्नता तो प्रकृति से आई है, हममें भेद है परंतु पृथकता नहीं। संपूर्ण सृष्टि में विविधता है समानता नहीं, परंतु इस विविधता में ही एकता सन्निहित है। समष्टि में एकता होना एक माता के चार पुत्रों के विभिन्न कार्य एवं संस्कार होते हुए भी उनका खून एक होने जैसा है। प्रकृति में जो भेद है, वही मनुष्य में है, इस कारण हमने मानव

संस्कृति के आधार के बिना राष्ट्रीय एकता संभव नहीं है, इस संस्कृति ने ही हमें हजारों वर्षों तक जोड़े रखा है।

मात्र को एक सांचे में डालने का प्रयास नहीं किया। परंतु विविधता एवं विकृति भिन्न वस्तु है। हमने विविधता को स्वीकार किया है। हम इस सीमा तक गए हैं कि हमने सबमें एकता देखी, 'एक सद् विप्रा बहुधा वदन्ति'। यहां मूर्ति का पूजन करनेवाले ईश्वर की सत्ता को स्वीकार करनेवाले न स्वीकार करनेवाले सभी को समाज में पूर्ण स्थान प्राप्त रहा है, परंतु राष्ट्र की एकात्मकता के रूप में बाधक रूप से कोई वस्तु आई तो देश में उसका विरोध हुआ है। बौद्ध एवं जैन दोनों ही निरीश्वर वादी मत हैं। बौद्ध मतावलंबियों ने जब देश के आक्रमण पर अपने धर्मावलंबी विदेशियों का साथ दिया तो उनमें विकृति आई और देश ने उनका प्रतिकार किया, आज बौद्ध मत देश में एक प्रकार से समाप्त हो गया। इसके विपरीत जैन मत उसी रूप में देश में चला आ रहा है।

हमारे जीवन का आधार दर्शन है, हम न पूंजीवादी हैं, न समाजवादी- हम न व्यक्तिवादी हैं, न समष्टिवादी, इनको हमने स्वीकार नहीं किया हुआ है। हम एकात्मवादी, समन्वयवादी एवं पूरकतावादी हैं, इसी आधार पर हमारी संस्कृति खड़ी है। ■ (समाप्त)

—पाञ्चजन्य, सितंबर 3, 1962

'टीका उत्सव' कोरोना के विरुद्ध दूसरी बड़ी लड़ाई की शुरुआत : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'टीका उत्सव' वैक्सीनेशन पर्व को कोरोना के विरुद्ध दूसरी बड़ी लड़ाई कहा और व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ सामाजिक स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया। यह उत्सव 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर शुरू हुआ और 14 अप्रैल को बाबासाहेब अम्बेडकर की जयंती तक चलेगा। इस अवसर पर एक संदेश में प्रधानमंत्री ने इस अभियान के सम्बन्ध में चार बिन्दुओं पर बल दिया:

पहला, हर एक– टीका लगवाए, अर्थात ऐसे व्यक्ति जो स्वयं को टीका लगवाने के लिए नहीं जा सकते, जैसेकि अनपढ़ एवं वृद्ध जन, उनकी सहायता करें।

दूसरा, हर एक– दूसरे का उपचार करे। ऐसा उन लोगों को कोरोना का उपचार दिलवाने के लिए है जिनके पास इसकी जानकारी नहीं है और इसके लिए आवश्यक संसाधन नहीं है।

तीसरा, हर एक– दूसरे को बचाए, अर्थात मै मास्क पहनूंगा और अपने अलावा औरों को बचाऊंगा। इस पर जोर दिया जाना चाहिए।

और अंत में 'सूक्ष्म संगरोध क्षेत्र' (माइक्रो कन्टेनमेंट जोन्स) बनाने के लिए समाज और जनता को पहल करनी होगी। यदि कोरोना संक्रमण का एक भी प्रमाणित मामला सामने आता है तो परिवार के सदस्यों और समाज के लोगों को 'माइक्रो कन्टेनमेंट जोन्स' बनाने होंगे। श्री मोदी ने कहा कि भारत जैसी घनी जनसंख्या वाले देश में 'माइक्रो कन्टेनमेंट जोन्स' कोरोना के विरुद्ध लड़ाई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उन्होंने परीक्षण करने और जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री मोदी ने हर पात्र व्यक्ति से टीका लगवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि ऐसा करना समाज और प्रशासन दोनों का पहला प्रयास होना चाहिए। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि हमें वैक्सीन की शून्य बर्बादी (जीरो वैक्सीन वेस्टेज) की दिशा में बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि टीकाकरण क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग ही हमारी क्षमता बढ़ाने का रास्ता है।

उन्होंने कहा कि 'माइक्रो कन्टेनमेंट जोन्स' के बारे में जागरूक होने से ही हमारी सफलता का निर्धारण होगा। इसके लिए हमें अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलना, सभी पात्र व्यक्तियों का टीकाकरण और मास्क पहनने एवं अन्य निर्देशों का पालन करने जैसे कोविड उचित व्यवहार का हम सब कैसे पालन करते हैं, का तरीका अपनाना होगा। ■

सामाजिक न्याय की स्थायी विरासत

रतन लाल कटारिया

बुद्ध, कबीर, महात्मा फुले जैसी महान विभूतियों के विचारों को आत्मसात् कर सामाजिक क्रांति के उद्बोधक व पोषक बोधिसत्व भारत रत्न श्रद्धेय बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर का जन्म युग और काल की धाराओं को मोड़ने के लिए ही हुआ था। बासाहेब के बहुआयामी व्यक्तित्व को समझने के लिए किसी विद्वान् को भी वर्षों लग सकते हैं। मैं ऐसा इसलिये कह रहा हूं क्योंकि उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलू इतने गहरे हैं जिसकी थाह पाना कठिन है। 14 अप्रैल, 2021 को पूरा विश्व बाबासाहेब की 130वीं जयंती के अवसर पर उन्हें अपनी भावनाओं के नैवेद्य अर्पित कर उनके संघर्षमय जीवन से प्रेरणा लेगा। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2017-18 में निर्मित डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र व बाबासाहेब की महापरिनिर्वाण भूमि 26, अलीपुर रोड, नई दिल्ली पर डॉ. अम्बेडकर नेशनल मेमोरियल का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री जी के निर्देशों का अनुसरण कर आज ये केंद्र सोशियो-इकानामिकट्रासफोर्मेशन के केंद्र हैं जिनमें सामाजिक और आर्थिक अध्ययन के क्षेत्र में अनुसंधान किया जा रहा है। साथ ही, ये एक विशेषज्ञ थिंक टैंक के रूप में भी काम करेगा जिसमे समावेशी विकास और सामाजिक-आर्थिक मामलों पर ध्यान दिया जाएगा। वास्तव में हमारी सरकार का उद्देश्य इन केंद्रों के माध्यम से नई पीढ़ी को बाबासाहेब के विज़न, विचार और दर्शन को समझाना है। वर्तमान पीढ़ी इस बात से अनभिज्ञ है कि बाबासाहेब अपने समकालिक लोगों में सर्वाधिक शिक्षित व्यक्ति थे और शिक्षा उनके दीर्घकालीन संघर्ष तथा

स्वतंत्र भारत के संविधान शिल्पी डॉ. अम्बेडकर ने अपनी बुद्धि, प्रतिभा और योग्यता की हर कीमत चुकाकर देश को एक नया संविधान भेंट कर दिया। संसार में ऐसी मानसिक ऊंचाई और शास्वत प्रतिभा के धनी कर्मठ महापुरुष कभी-कभी ही अवतरित होते हैं

कठोर परिश्रम का परिणाम था। उस महामानव ने समाज में समय के साथ आई अमानवीय कुरीतियों जैसे छूआछूत, विभेद, तिरस्कार आदि को को स्वयं भोगा था। परन्तु धैर्य की मूर्ति बाबासाहेब ने कभी भी हिंसा का सहारा नहीं लिया, अपितु समाज को जोड़ने के लिए एवं वंचित वर्ग को समाज में उसकी प्रतिष्ठा दिलवाने के लिए अपने जीवन को तिल-तिल जला दिया। वे दलित, शोषित, वंचित समाज को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं सम्मानित जीवन देने के कार्य में पूरा जीवन प्रतिबद्ध रहे। बाबासाहेब का मानना था कि सामाजिक समरसता का निर्माण करने से ही सामाजिक समानता हो सकती है। उन्होंने 24 नवम्बर, 1947 को दिल्ली में कहा था, "हम सब भारतीय परस्पर सगे भाई हैं – ऐसी भावना अपेक्षित है। इसे ही बंधु भाव कहा जाता है। उसी का अभाव है। जातियां आपसी द्वेष और ईर्ष्या बढाती हैं। अतः यदि राष्ट्र का अस्तित्व होगा तो इस अवरोध को दूर करना होगा क्योंकि राष्ट्र का अस्तित्व होगा वहीं बंधु भाव पनपेगा, बंधु भाव ही नहीं रहेगा तो समता, स्वाधीनता सब अस्तित्वहीन हो जाएंगे।"

बाबासाहेब ने राष्ट्र निर्माण में जो राह दिखाई थी, उसी पर चल आज हमारी सरकार भारत को पुनः विश्वगुरु पर प्रतिष्ठापित करने का कार्य कर रही है। वे धर्म, संस्कृति, जाति और भाषा की प्रतिस्पर्धी निष्ठा की प्रमुखता के विरोधी हैं। उनका मानना था कि इससे भारतीयता और भारत के प्रति निष्ठा पनपने में कठिनाई आती है और उन्होंने कहा भी, "मैं चाहता हूं कि लोग सर्वप्रथम भारतीय हों और अंत तक भारतीय रहें, भारतीय के अलावा कुछ भी नहीं।" भाषायी आधार पर राज्यों के गठन का विरोध, हिंदी की राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापना, संस्कृत भाषा की शिक्षा और गुणवत्ता, धारा 370 का विरोध, मतपरिवर्तन पर उनके विचार, धर्म की उपयोगिता का विचार, श्रमनीति, सुधार, शहरीकरण का महत्व, समान नागरिक संहिता एवं हिन्दू कोड बिल, श्रीमद् भगवद्गीता को प्रदत्त महत्व, महिलाओं

के प्रति उनकी संवेदनशीलता, राष्ट्रीय प्रतिबद्धता, आर्थिक योजनाएं, जल और विद्युत नीति में भूमिका आदि अनेक ऐसे विषय हैं जिनसे उनकी राष्ट्रीय दृष्टि का बोध होता है। संविधान निर्माता के विषय में डॉ. राजेंद्र बाबू 26 नवम्बर, 1949 को संविधान सभा में कहते हैं, "स्वतंत्र भारत के संविधानशिल्पी डॉ. अम्बेडकर ने अपनी बुद्धि, प्रतिभा और योग्यता की हर कीमत चुकाकर देश को एक नया संविधान भेंट कर दिया। संसार में ऐसी मानसिक ऊंचाई और शाश्वत प्रतिभा के धनी कर्मठ महापुरुष कभी-कभी ही अवतरित होते हैं।" एक ओर वर्षों के अपमान तो दूसरी ओर करुणा, प्रेम, समता और अहिंसा से ओत-प्रोत भारतीय संस्कृति के अविभाज्य अंग बौद्ध मत को अंगीकार कर बाबासाहेब ने देश के लिये अपने समर्पण का उत्तम उदाहरण दिया। मेरा ऐसा मानना है कि वर्तमान पीढ़ी को बाबासाहेब के इस प्रसंग से सीखना चाहिए कि राष्ट्रहित के लिए व्यक्तिगत आघातों को भी भूलना पड़ता है। बाबासाहेब की जयंती पर मेरा युवा पीढ़ी को विशेष सन्देश है कि उनके आदर्शों का पालन केवल विशेष अवसर पर ही न करें, अपितु प्रत्येक क्षण उस राष्ट्रभक्त, मानवतावादी, धर्मप्राण और सात्विक वृत्ति के महापुरुष के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात् करें। इसी के साथ मैं अपने देशवासियों को बाबासाहेब की जयंती की शुभकामनाएं देता हूं। ■

(लेखक केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता तथा जल शक्ति राज्य मंत्री हैं)

जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा, विजय हमारी होगी : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 05 अप्रैल, 2021 को बीजापुर के बासागुड़ा स्थित सीआरपीएफ कैंप का दौरा किया और नक्सलियों से हुए मुठभेड़ में शामिल सीआरपीएफ एवं कोबरा फ़ोर्स सहित सभी जवानों की अदम्य वीरता को साधुवाद देते हुए उनकी हौसला अफजाई की और कहा कि देश के विकास, देश की शांति और समृद्धि के लिए हमने नक्सलवाद को जड़ से ख़त्म कर इस पर विजय प्राप्त करनी ही होगी। इससे पहले आज उन्होंने नक्सलियों से मुठभेड़ में हुए शहीद जवानों को पुलिस लाइन, जगदलपुर में भावभीनी श्रद्धांजलि दी और कहा कि सरकार नक्सलियों द्वारा पैदा की गई अशांति के खिलाफ मौजूदा लड़ाई को तार्किक अंजाम तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस मुठभेड़ में घायल जवानों से रायपुर के अस्पताल में मुलाकात की और उनका हाल-चाल जाना।

विदित हो कि छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर और सुकमा जिले की सीमा पर तीन अप्रैल को हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों के 22 जवान शहीद हो गए, जबकि 31 जवान घायल हुए।

नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले के बासागुड़ा में स्थित सीआरपीएफ कैंप में जवानों को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि मैं, नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन में पूरी बहादुरी के साथ घंटों तक लड़ाई लड़ते हुए देश के दुश्मनों के दांत खट्टे करने वाले सीआरपीएफ और कोबरा फ़ोर्स के सभी जवानों को सलाम करता हूं। यह बहुत दुःख की बात है कि इस ऑपरेशन में हमारे कुछ साथी वीरगति को प्राप्त हुए हैं। मैं इस ऑपरेशन में शहीद सभी जवानों को देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ओर से, मेरी ओर से और समग्र देश की जनता की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हमारे इन वीर जवानों ने देश की शांति एवं देश के विकास के लिए जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है। राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान को कभी भुला नहीं सकता। जिन लोगों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है, उनके परिवारों के प्रति भी पूरे देश की सहानुभूति है और पूरा देश चट्टान की तरह उनके साथ खड़ा है।

जवानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं आज आप लोगों को इतना ही कह सकता हूं कि आपने अपने कुछ साथी जरूर गंवाएं हैं, लेकिन आप भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार पर भरोसा रखिये। आपके साथियों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। जिस उद्देश्य के लिए उन्होंने अपना बलिदान दिया है, वह उद्देश्य निश्चित रूप से पूरा होगा और विजय हमारी होगी। ■

भारत-बांग्लादेश के बीच हुए पांच अहम समझौते

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26-27 मार्च, 2021 के दौरान बांग्लादेश की दो दिवसीय यात्रा की। यात्रा के दौरान भारत-बांग्लादेश के बीच पांच अहम समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। श्री मोदी बांग्लादेश की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने बापू-बंगबंधु डिजिटल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, शतखिरा में जेशोरेश्वरी काली शक्तिपीठ में पूजा की और ओराकान्दी स्थित हरि मंदिर में पूजा-अर्चना भी की।

बांग्लादेश गणतंत्र की प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना के निमंत्रण पर भारतीय गणराज्य के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश की आजादी के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल होने के लिए 26 से 27 मार्च, 2021 तक आधिकारिक दौरे पर रहे। इस साल बांग्लादेश के राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की जन्म शताब्दी और भारत व बांग्लादेश के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 साल भी पूरे हुए हैं।

यात्रा के दौरान श्री मोदी ने 27 मार्च, 2021 को बांग्लादेश के राष्ट्रपति महामहिम श्री मोहम्मद अब्दुल हामिद से मुलाकात की। भारतीय प्रधानमंत्री 26 मार्च, 2021 को नेशनल परेड ग्राउंड में आयोजित राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम, स्वर्ण जयंती समारोह और मुजीब बोरशो समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. ए. के. अब्दुल मोमन ने 26 मार्च, 2021 को श्री मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बांग्लादेश के महान स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति और योगदान के सम्मान में सावर स्थित राष्ट्रीय शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने गोपालगंज के तुंगीपारा में बंगबंधु के मकबरे पर जाकर शेख मुजीबुर रहमान को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत-बांग्लादेश साझेदारी

दोनों प्रधानमंत्रियों ने 27 मार्च, 2021 को एक दूसरे से बातचीत की, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने मजबूत द्विपक्षीय संबंधों पर संतोष व्यक्त किया, जो ऐतिहासिक रूप से गहरे और भाईचारेपूर्ण रिश्तों पर आधारित हैं। यह समानता, भरोसे और आपसी समझ के आधार पर द्विपक्षीय साझेदारी को प्रदर्शित करता है, जो रणनीतिक साझेदारी से भी बढ़कर है।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने महान मुक्ति संग्राम की स्मृतियों और विरासत को संरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों के बहादुर जवानों के

सर्वोच्च बलिदान की याद में आशूगंज में एक स्मारक स्थापित करने के निर्णय के लिए बांग्लादेश सरकार को धन्यवाद दिया।

पांच समझौतों पर हस्ताक्षर

भारत और बांग्लादेश के बीच निम्नलिखित पांच अहम समझौतों पर हस्ताक्षर हुए:

क. आपदा प्रबंधन, पुनर्निर्माण एवं शमन के क्षेत्र में सहयोग पर एमओयू।

ख. बांग्लादेश नेशनल कैडेट कोर (बीएनसीसी) और भारत के नेशनल कैडेट कोर (आईएनसीसी) के बीच एमओयू।

ग. बांग्लादेश और भारत के बीच कारोबार से संबंधित उपायों के क्षेत्र में सहयोग की रूपरेखा तय करने पर एमओयू।

घ. आईसीटी उपकरण, कोर्सवेयर और संदर्भ पुस्तकों की आपूर्ति और बांग्लादेश-भरोट डिजिटल सेवा के लिए प्रशिक्षण और रोजगार प्रशिक्षण (बीडीएसईटी) केंद्र पर त्रिपक्षीय एमओयू।

ड. राजशाही कॉलेज मैदान और आसपास के क्षेत्रों में खेल सुविधाओं की स्थापना के लिए त्रिपक्षीय एमओयू।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान आधुनिक समय के महानतम नेताओं में से एक रहे हैं, जिन्हें एक संप्रभु देश के रूप में बांग्लादेश के उद्भव के लिए उनके साहस और अमिट योगदान के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास में बंगबंधु के योगदान को याद किया। बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान को अहिसंक और अन्य गांधीवादी तरीकों से बांग्लादेश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए साल 2020 का गांधी शांति पुरस्कार प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना ने भारत को धन्यवाद कहा।

बंगबंधु-बापू डिजिटल प्रदर्शनी का उद्घाटन

दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त रूप से ढाका में बंगबंधु-बापू डिजिटल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जो इन प्रतिष्ठित नेताओं के जीवन और विरासत की जानकारी उपलब्ध कराता है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने जोर देकर कहा कि दोनों महान नेताओं की विरासत और आदर्श दुनियाभर के लोगों, खासतौर से युवाओं को उत्पीड़न के खिलाफ प्रेरित करते रहेंगे।

भारत-बांग्लादेश मित्रता की 50वीं वर्षगांठ के प्रतीक के तौर पर दोनों पक्षों ने स्मारक डाक टिकट जारी किए। 6 दिसंबर को मैत्री दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया, इसी दिन 1971 में भारत ने बांग्लादेश को मान्यता दी थी। भारतीय पक्ष ने दिल्ली विश्वविद्यालय में बंगबंधु चेयर की स्थापना की घोषणा की।

दोनों नेताओं ने अपने संबंधित जल मंत्रालयों को मनु, मुहुरी, खोवाई, गुमटी, धारला और दूधकुमार नामक छह नदियों के पानी के बंटवारे पर अंतरिम समझौते के फ्रेमवर्क को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। दोनों देशों के बीच व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए दोनों प्रधानमंत्रियों ने समन्वित तरीके से जमीनी सीमा शुल्क केंद्रों (एलसीएस)/भूमि-बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का उन्नयन करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के लिए मानकों के सामंजस्य और समझौतों व प्रमाण-पत्रों की आपसी मान्यता के महत्व को दोहराया। इस पर सहमति बनी कि दोनों देशों के बीच व्यापार को उदार बनाने की भावना के साथ बांग्लादेश मानक और परीक्षण संस्थान (बीएसटीआई) और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) क्षमता निर्माण और परीक्षण व लैब सुविधाओं के विकास लिए सहयोग करेंगे।

बिजली और ऊर्जा क्षेत्र में सशक्त सहयोग

दोनों पक्षों ने बिजली और ऊर्जा क्षेत्र में सशक्त सहयोग पर संतोष व्यक्त किया, जिसमें निजी क्षेत्रों के बीच सहयोग भी शामिल है। नेपाल और भूटान समेत उप-क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने

प्रधानमंत्री ने जेशोरेश्वरी काली शक्तिपीठ में पूजा अर्चना की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मां काली का आशीर्वाद लेकर अपनी दो दिवसीय बांग्लादेश यात्रा के दूसरे दिन की शुरुआत की। श्री मोदी ने 27 मार्च को शतखिरा में जेशोरेश्वरी काली शक्तिपीठ में पूजा की, जो प्राचीन परम्परा में 51 शक्तिपीठों में से एक हैं। उन्होंने मां काली को चांदी से निर्मित, सोने की प्लेटिंग वाला हाथ से बना एक मुकुट भी अर्पित किया। इस मुकुट को एक स्थानीय कारीगर द्वारा तीन हफ्ते से ज्यादा समय में हाथ से बनाया गया था।

दोस्ती का हाथ बढ़ाते हुए श्री मोदी ने मंदिर से पास एक सामुदायिक भवन सह चक्रवात आश्रय स्थल के निर्माण के लिए अनुदान देने की घोषणा की। इस भवन को मंदिर में वार्षिक काली पूजा और मेले के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा प्रयोग किया जाएगा। साथ ही, इसे सभी धर्मों के लोगों द्वारा तूफान की स्थिति में आश्रय स्थल और सामुदायिक सुविधा के रूप में भी इस्तेमाल किया जाएगा।

पर सहमति बनी और इस संबंध में ऊर्जा में सहयोग को रेखांकित किया गया। भारतीय पक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि बिजली में सीमा पार ट्रेड के लिए नियमों और दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने से उप-क्षेत्रीय सहयोग बढ़ेगा।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर भारत खासतौर से त्रिपुरा के लोगों द्वारा चट्टग्राम और सिलहट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के इस्तेमाल की पेशकश की। बांग्लादेश ने यह भी बताया कि सैदपुर हवाई अड्डे को इस क्षेत्र के लोगों के उपयोग के लिए एक क्षेत्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया जा रहा है।

दोनों पक्षों ने अपने-अपने देशों में कोविड-19 महामारी के हालात पर चर्चा की और इस संकट के दौरान दोनों देशों के बीच लगातार जुड़ाव को लेकर संतोष व्यक्त किया। बांग्लादेश पक्ष ने भारत में बनी ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका कोविशील्ड वैक्सीन की 3.2 मिलियन खुराक गिफ्ट करने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया और 5 मिलियन डोज के पहले बैच की शीघ्र डिलिवरी की सराहना की।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री कार्यालय में एक समारोह में दोनों प्रधानमंत्रियों ने निम्नलिखित घोषणा/अनावरण/उद्घाटन किया:

क. द्विपक्षीय राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर भारत-बांग्लादेश मैत्री टिकट जारी किए गए।

ख. भारतीय सशस्त्र बलों के शहीदों, जिन्होंने 1971 के मुक्ति संग्राम में अपने जीवन का बलिदान किया, के सम्मान में आशूगंज, ब्राह्मणबारिया में एक स्मारक की आधारशिला रखी गई।

ग. पांच पैकेजों वाले (अमीन बाजार-कालियाकोर, रूपपुर-ढाका, रूपपुर- गोपालगंज, रूपपुर- धामराई, रूपपुर-बोगरा) रूपपुर पावर इवैक्यूएशन प्रोजेक्ट के लिए आधारशिला समारोह।

घ. 3 बॉर्डर हाटों का उद्घाटन- नलीकाटा (भारत)-सायदाबाद (बांग्लादेश); रिनगकु (भारत)-बागान बारी (बांग्लादेश) और भोलागुंज (भारत)-भोलागुंज (बांग्लादेश)।

ड. कुथीबारी में रबींद्र भवन का उद्घाटन।

च. 'मिताली एक्सप्रेस' का उद्घाटन- चिल्हाटी-हल्दीबाड़ी रेल लिंक के माध्यम से ढाका-न्यू जलपाईगुड़ी-ढाका मार्ग पर यात्री ट्रेन सेवा।

छ. मुजीबनगर और नादिया के बीच ऐतिहासिक सड़क को जोड़ने और इसका नाम 'शादिनोता शेरोक' करने की घोषणा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना को उनकी तरफ से दिखाई गई गर्मजोशी और आत्मीयता तथा बांग्लादेश में उनके रहने के दौरान उनका और उनके प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के शानदार आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया। ■

प्रधानमंत्री ने ओराकान्दी स्थित हरि मंदिर में की पूजा-अर्चना

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 मार्च को ओराकान्दी स्थित हरि मंदिर में पूजा-अर्चना कर ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री मोदी ने वहां परम पूज्य ठाकुर परिवार के वंशजों से बातचीत भी की। उन्होंने ओराकान्दी में मतुआ समुदाय के प्रतिनिधियों को भी संबोधित किया। ये वही स्थान है, जहां से श्री श्री हरि चंद ठाकुर जी ने सामाजिक सुधारों से संबंधित अपने पवित्र विचारों और संदेशों का प्रसार किया था।

श्री मोदी ने कहा कि भारत और बांग्लादेश अपने-अपने देश के विकास और तरक्की के माध्यम से संपूर्ण विश्व की प्रगति चाहते हैं। दोनों ही देश चाहते हैं कि संपूर्ण विश्व में अस्थिरता, आतंक और अशांति नहीं बल्कि स्थिरता, प्रेम और शांति का वातावरण होना चाहिए। श्री श्री हरि चंद ठाकुर जी ने भी हमें शांति, स्थिरता और प्रेम के मार्ग पर चलने का ही संदेश दिया है।

उन्होंने उल्लेख किया कि आज भारत 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मूल मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ बांग्लादेश ने भी 'शोहोजात्रि' के मूल मंत्र को अपने अंदर समाहित किया है। बांग्लादेश आज पूरी दुनिया के सामने विकास और बदलाव का एक मज़बूत उदाहरण पेश कर रहा है और बांग्लादेश के इन प्रयासों में भारत 'शोहोजात्रि' की भूमिका में है।

श्री मोदी ने ओराकान्दी में वर्तमान में स्थित बालिका माध्यमिक विद्यालय को अपग्रेड करने और एक नए प्राथमिक स्कूल की स्थापना करने के अलावा कई अन्य घोषणाएं भी की। उन्होंने बताया कि श्री श्री हरि चंद ठाकुर जी की जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले पवित्र 'बरुनीस्नान' में भाग लेने के लिए हर साल भारत से बड़ी संख्या में लोग बांग्लादेश के ओराकान्दी की यात्रा करते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की इस यात्रा को और अधिक सुगम बनाने के लिए सभी ज़रूरी कदम उठाए जाएंगे।

कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण समय की जरूरत है: नरेन्द्र मोदी

कृषि क्षेत्र में आधुनिक पद्धतियां अपनाना आवश्यक है और जीवन के हर आयाम में नयापन, आधुनिकीकरण अनिवार्य है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मार्च को कहा कि कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण समय की जरूरत है और पहले ही बहुत समय बर्बाद हो चुका है। 'मन की बात' कार्यक्रम में श्री मोदी ने कोविड-19 के खिलाफ भारत में चलाए जा रहे दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की तारीफ की और 'दवाई भी, कड़ाई भी' की बात पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक पद्धतियां अपनाना आवश्यक है और जीवन के हर आयाम में नयापन, आधुनिकीकरण अनिवार्य है। श्री मोदी ने 'मन की बात' की 75वीं कड़ी में कहा कि भारत के कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण वक्त की जरूरत है। इसमें देरी की गई और हमने पहले ही बहुत समय गंवा दिया है।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने, किसानों की आय बढ़ाने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि खेती के पारंपरिक तरीकों के साथ ही नए विकल्पों, नवोन्मेष को अपनाया जाए। श्री मोदी ने कहा कि देश ने श्वेत क्रांति के दौरान यह देखा और मधुमक्खी पालन भी ऐसे ही विकल्प के रूप में सामने आ रहा है।

रेडियो पर प्रसारित कार्यक्रम के दौरान श्री मोदी ने यह भी याद किया कि पिछले साल मार्च में देश ने पहली बार जनता कर्फ्यू के बारे में सुना था। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री की अपील पर पिछले साल 22 मार्च को जनता कर्फ्यू लगाया गया था।

उन्होंने कहा कि शुरुआत से ही भारत के लोगों ने कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ी। श्री मोदी ने कहा कि पिछले साल इस वक्त यह सवाल खड़ा था कि क्या कोविड-19 के लिए कोई टीका आएगा और यह कब तक आएगा। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान भारत में चलाया जा रहा है।

श्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत की 'नारी शक्ति' खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है। 'मन की बात' की 75 कड़ी पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने कहा कि

2014 में हमने यह सफर शुरू किया था, लेकिन ऐसा लगता है जैसे कल ही बात हो। उन्होंने इसके लिए सभी श्रोताओं का आभार जताया।

श्री मोदी ने कहा कि 'मन की बात' के दौरान हमने कई विषयों पर बात की। हम सबने काफी कुछ सीखा। विविध विषयों पर बात की गई। उन्होंने आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के जश्न समारोह की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि 'मन की बात' के 75 एपिसोड ऐसे समय में पूरे हुए हैं जब भारत 'अमृत महोत्सव' मनाने के लिए उत्साहित है।

श्री मोदी ने कहा कि किसी स्वाधीनता सेनानी की संघर्ष गाथा हो, किसी स्थान का इतिहास हो, देश की कोई सांस्कृतिक कहानी हो, 'अमृत महोत्सव' के दौरान आप उसे देश के सामने ला सकते हैं, देशवासियों को उससे जोड़ने का माध्यम बन सकते हैं।

उन्होंने कहा कि देखते ही देखते 'अमृत महोत्सव' ऐसे कितने ही प्रेरणादायी अमृत बिंदुओं से भर जाएगा और फिर ऐसी अमृत धारा बहेगी जो हमें भारत की आज़ादी के सौ वर्ष तक प्रेरणा देगी। देश को नई ऊंचाई पर ले जाएगी, कुछ-न-कुछ करने का जज्बा पैदा करेगी।

श्री मोदी ने कहा कि आज़ादी के लड़ाई में हमारे सेनानियों ने कितने ही कष्ट इसलिए सहे, क्योंकि वो देश के लिए त्याग और बलिदान को अपना कर्तव्य समझते थे। उनके त्याग और बलिदान की अमर गाथाएं अब हमें सतत कर्तव्य पथ के लिए प्रेरित करे और जैसे गीता में भगवान कृष्ण ने कहा है–

नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मण:

उसी भाव के साथ हम सब अपने नियत कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन करें।

उन्होंने कहा कि आज़ादी का 'अमृत महोत्सव' का मतलब यही है कि हम नए संकल्प करें। उन संकल्पों को सिद्ध करने के लिए जी-जान से जुट जाएं और संकल्प वो हो जो समाज की भलाई के हों, देश की भलाई के हों, भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए हो और संकल्प वो हो, जिसमें मेरा, अपना, स्वयं का कुछ-न-कुछ जिम्मा हो, मेरा अपना कर्तव्य जुड़ा हुआ हो। मुझे विश्वास है, गीता को जीने का यह स्वर्ण अवसर हम लोगों के पास है। ■

'अब हमारे पास बेहतर अनुभव और संसाधनों के साथ टीका भी है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 8 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ कोविड-19 की स्थिति पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृहमंत्री ने कोविड के विरुद्ध लड़ाई में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। उन्होंने देश में चलाए जा रहे टीकाकरण (वैक्सीनेशन) अभियान का भी विस्तृत विवरण दिया।

मुख्यमंत्रियों ने इस वायरस के संक्रमण के विरुद्ध सामूहिक लड़ाई का नेतृत्व करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन सभी ने अपने-अपने राज्यों में कोविड-19 की स्थिति का विवरण भी दिया। उन्होंने कहा कि सही समय पर टीकाकरण अभियान की शुरुआत होने से लाखों जिंदगियों को बचाया जा सका है।

श्री मोदी ने कहा कि चुनौतियों के बावजूद इस समय हमारे पास बेहतर अनुभव और संसाधनों के साथ-साथ वैक्सीन भी है। कड़ी मेहनत कर रहे चिकित्सकों और स्वास्थ्य देखरेख कर्मियों के साथ-साथ जन भागीदारी ने इस स्थिति को संभालने में बहुत योगदान दिया है और वे अभी भी इस काम में जुटे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि हमें परीक्षण, पता लगाने, उपचार करने, कोविड उचित व्यवहार और कोविड प्रबंधन पर लगातार ध्यान देना है। श्री मोदी ने इंगित किया कि इस वायरस पर नियंत्रण करने के लिए हमें मनुष्यों के संक्रमित होने को रोकना होगा और इसके परीक्षण और प्रसरण का पता लगाने की इस काम में बहुत बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने राज्यों से अनुरोध किया कि वे उच्च केन्द्रित जिलों में 45 वर्ष से अधिक आयु वाली जनसंख्या का शत-प्रतिशत टीकाकरण करवाएं। ■

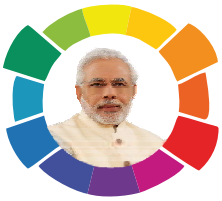

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

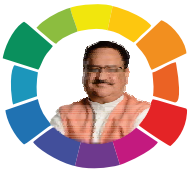

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

भाजपा के 41वें स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

पश्चिम बंगाल में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

देश में कोविड-19 की स्थिति और टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा हेतु नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक में भाग लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

तामुलपुर (असम) में एक चुनावी रैली में जनाभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व अन्य नेतागण

नई दिल्ली स्थित एम्स में कोविड-19 वैक्सीन की दूसरी खुराक लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

ढाका (बांग्लादेश) में बांग्लादेश के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में भाग लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-20

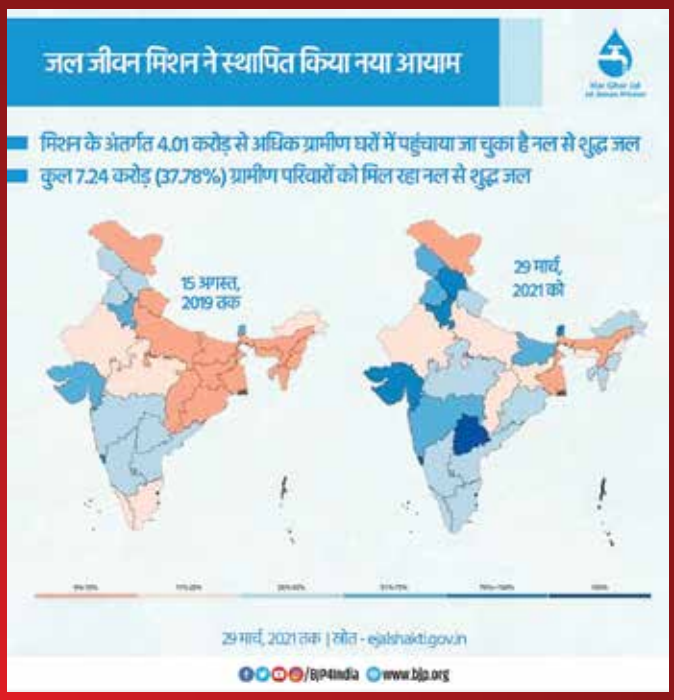

छायाकार: अजय कुमार सिंह